सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा। -पेज: 7

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 180 | मंगलवार 07 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल मिला

- मैरी ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को मिला पुरस्कार

मैरी ई. ब्रंकॉ (इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी, सिएटल, अमेरिका) | फ्रेड राम्सडेल (सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स, सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका) | शिमोन साकागुची (ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान)

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रूनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नेबोल पुरस्कार मिला है। परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता (पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस) से संबंधित खोजों के लिए तीनों को नोबेल का मिला है।

चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है।

शांति का नोबेल शुक्रवार को

मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के नोबेल पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की जाएगी। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र में नोबेल मेमोरियल पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर को होगी। इसके बाद 10 दिसंबर को पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार विजेता को एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और नोबेल फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित एक नकद पुरस्कार मिलता है, जो नोबेल निधि का प्रबंधन करता है। इस वर्ष का पुरस्कार 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर (1.2 मिलियन) का है। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को रातोंरात प्रसिद्धि मिलने का मौका भी देता है।

नोबेल की वसीयत

नोबेल पुरस्कार, स्वीडिश इंजीनियर और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित सबसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों का एक समूह है, जिन्हें डायनामाइट की खोज के लिए जाना जाता है। अपनी 1895 की वसीयत में नोबेल ने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा उन वार्षिक पुरस्कारों के लिए छोड़ दिया था।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल... 2 फेज में होंगे विधानसभा चुनाव

6 व 11 नवंबर को वोटिंग, मतगणना 14 नवंबर को

नईदिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी बिगुल बजने का इंतजार आज खत्म हो गया। चुनाव आयोग ने बिहार में दो चरणों में सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए मतदान कराने का फैसला लिया गया है। पहले चरण का चुनाव 6 नवंबर और दूसरे चरण का 11 नवंबर को होगा। मतगणना की तिथि 14 नवंबर तय की गई है। भारत निर्वाचन आयोग की सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के विस्तृत कार्यक्रम की आधिकारिक ऐलान किया गया। चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई।

ज्ञानेश कुमार ने कहा- बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार ने कहा, जो सारी बातें समीक्षा में आईं। बिहार में हम सभी राजनीतिक दलों, पुलिस अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों से मिले। सुरक्षाबलों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। आयोग आपको बतलाना चाहता है कि इस बार बिहार चुनाव मतदाताओं के लिए सरल, सुगम होंगे, पूरी लॉबी मतदाताओं की मदद के लिए खड़ी रहेगी, बिहार चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ होंगे। इस बार का बिहार चुनाव सबसे अच्छे चुनावों में शामिल होगा। ऐसी आयोग की मंशा है।

वोटिंग लिस्ट में सुधार कराया जा सकता है -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 30 सितंबर को फाइनल लिस्ट (मतदाता सूची) पब्लिश की गई है। अभी भी कोई गलती रह गई हो तो जिला अधिकारी के पास अपील की जा सकती है। साथ ही किसी का नाम छूटा हो तो नॉमिनेशन के 10 दिन पहले तक नाम जुड़वा सकता है। इसके बाद कोई भी नाम नहीं जोड़ा जा सकता है। आयोग की पूरी टीम और तीन आयुक्तों ने बिहार का दौरा किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने कहा- बिहार में चुनाव का आगमन -मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, इस चुनाव में आयोग की तैयारियों की पूरी जानकारी आपको देंगे। बिहार की पावन भूमि पर 5 सालों के बाद विधानसभा के चुनाव का आगमन हो रहा है।

बिहार चुनाव 2025

पहला फेज - 121 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
10 अक्टूबर	10-17 अक्टूबर	18 अक्टूबर	20 अक्टूबर	6 नवंबर

दूसरा फेज - 122 सीटें

नोटिफिकेशन	नॉमिनेशन	स्क्रूटनी	नाम वापसी	वोटिंग
13 अक्टूबर	13-20 अक्टूबर	21 अक्टूबर	23 अक्टूबर	11 नवंबर

नतीजे - 14 नवंबर

कुल सीट: 243 | बहुमत: 122 | 40 दिन की चुनाव प्रक्रिया

चुनाव के ऐलान से पहले पटना में दौड़ी मेट्रो

- अचानक सीट से उठकर बाहर का नजारा देखने लगे नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान से पहले पटना मेट्रो की शुरुआत हो गई है। सोमवार को सीएम नीतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो से सफर भी किया। आईएसबीटी से जीरोमाइल होते हुए भूतनाथ तक गए। इस दौरान सीएम अचानक अपनी सीट से उठे और विंडो से बाहर का नजारा देखने लगे। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा भी साथ रहे। पहले फेज में आईएसबीटी से भूतनाथ रोड के बीच 3 स्टेशन के बीच इसे चलाया जाएगा। ये ट्रैक 4.5 किमी लंबा है। किराया फिलहाल 15 रुपए होगा। पटना के लोगों के लिए मेट्रो सेवा आज यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी।

भाई ने बहन को नहर में डुबोकर मार डाला

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में एक युवक ने अपनी सगी छोटी बहन को नहर के पानी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद घर से कुछ ही दूर एक खेत में उसकी लाश फेंक दी। कुछ देर बाद खुद थाने पहुंचा और कहा- मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। लाश खेत में पड़ी है। युवक ने बताया- मेरी बहन का अफेयर चल रहा था। उसे कई बार समझाया, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। इसीलिए जान से मार दिया।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई गवई पर हमले की कोशिश

- कोर्ट रूम में वकील ने जूता फेंका, नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई पर हमला करने की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों के हवाले से बताया कि वकील ने सीजेआई की तरफ जूता फेंका। हालांकि, जूता उनकी बेंच तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षाकर्मियों ने फौरन उसे पकड़ लिया। बाहर जाते वक्त वकील ने नारा लगाया- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। घटना के बाद सीजेआई ने अदालत में मौजूद वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने को कहा। कहा कि इस सबसे परेशान न हों। मैं भी परेशान नहीं हूं, इन चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।

16 सितंबर को सीजेआई ने कहा था- जाओ, भगवान से खुद करने को कहो- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर कुमार है। सुप्रीम कोर्ट बार में उनका रजिस्ट्रेशन 2011 का है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में भाजपा सांसद पर हमला, सिर फूटा

- बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री बांटने गए थे; भीड़ का पथराव, नारे लगाए- वापस जाओ

जलपाईगुड़ी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में सोमवार को भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर सैकड़ों लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। लोगों ने सांसद पर पत्थरबाजी की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका सिर फूट गया। खगेन, मालदा से सांसद हैं। मामला जलपाईगुड़ी जिले के दुआर्स क्षेत्र के नागरकाटा का है।

भीड़ ने सांसद के साथ गए भाजपा विधायक शंकर घोष और अन्य नेताओं पर भी हमला किया। सभी बाढ़ प्रभावित इलाके में लोगों को राहत सामग्री बांटने गए थे। हमले से पहले 500 से ज्यादा लोगों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए और सड़कें जाम कर दीं। हमले के बाद सामने आई तस्वीरों में भाजपा सांसद खून से लथपथ एक गाड़ी में बैठे हुए दिखाई दिए। उनके चेहरे से लगातार खून बहता हुआ दिखा। उनका सफेद कुर्ता और गमछा भी खून से लाल हो गया। वे रूमाल से बार-बार अपने चेहरे को पोंछते हुए दिखाई दिए।

भाजपा ने कहा- सांसद पर टीएमसी के गुंडों ने हमला किया- हमले की तस्वीरें सामने आने के कुछ मिनट बाद ही भाजपा ने सोशल मीडिया पर टीएमसी पर पलटवार किया। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा- टीएमसी का जंगलराज बंगाल में लौट आया है!

दार्जिलिंग में लैंडस्लाइड से अब तक 24 लोगों की मौतें

कई लापता, हजारों टूरिस्ट फंसे, हिमाचल में बर्फबारी

दार्जिलिंग/शिमला/हिमाचल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रविवार को तेज बारिश के बाद हुई लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 24 हो गई है। इनमें 7 बच्चे हैं। कई लोग अब भी लापता हैं। लैंडस्लाइड में

कई घर बह गए। दार्जिलिंग और सिक्किम का सड़क संपर्क देश के बाकी हिस्सों से टूट गया है। इसके कारण हजारों पर्यटक फंसे हैं। दार्जिलिंग और कर्सियांग के बीच नेशनल हाइवे टूट गया है। मिरिक और दूधिया के पास लोहे का ब्रिज टूटने से दार्जिलिंग से सिलीगुड़ी का वैकल्पिक रास्ता भी बंद है। अलीपुरदुआर में रेल ट्रैक डूबने से तीन गाड़ियां रद्द की गईं। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में चाय के बागान डूब गए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट है। इसके चलते स्कूल शिक्षा निदेशालय जम्मू ने सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 6 और 7 अक्टूबर के लिए बंद करने का आदेश दिया है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने वैष्णो देवी यात्रा 5 से 7 अक्टूबर तक सस्पेंड करने की घोषणा की है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से हिमाचल के लाहौल-स्पीति, मनाली, चंबा और धौलाधर की पहाड़ियों पर सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। इस बार बर्फबारी सामान्य से करीब 20 दिन पहले हुई।

वांगचुक अरेस्ट केस- एससी में 14 अक्टूबर तक सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जोधपुर जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से जुड़ी हेबियस कार्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर जवाब मांगा है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका में पति की एनएसए के तहत गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी।

योगी ने सफाईकर्मियों पर फूल बरसाए

वाराणसी में सिलाई मशीन और लैपटॉप बांटे, बोले- सफाईकर्मियों का कोई शोषण नहीं कर पाएगा

वाराणसी (एजेंसी)। सीएम योगी आज 2 दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे हैं। सबसे पहले वह अन्नपूर्णा ऋषिकुल विद्यालय शिवपुर पहुंचे। उन्होंने कहा- आज यहां 250 से ज्यादा बेटियों को सिलाई मशीन दी है। कई छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिलाया गया। अब आज उन्हें लैपटॉप दिया है।

योगी ने कहा- सीधे खाते में पैसे जाने से अब कोई सफाईकर्मियों शोषण नहीं कर पाएगा। इसके अलावा आयुष्मान कार्ड बनने से उन्हें स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं को लेकर भी चिंतित रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसकी मदद से उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा मिलेगी।

सफाईकर्मियों को अब सीधे उनके एकाउंट में 16000 रुपए से लेकर रू. 20000 प्रति माह पहुंच जाएगा। सभी सफाईकर्मियों का आयुष्मान कार्ड भी बनेगा। इसकी मदद से वह अपना 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त करा सकेंगे।

मिशन शक्ति में महिला सुरक्षा, महिला सम्मान और नारी स्वावलंबन का एक कार्यक्रम अपने आप में उसको जोड़ दे रहा है। हमारी भारतीय संस्कृति तो सदैव से इस बात की आग्रही रही है कि नारी की गरिमा उसकी सुरक्षा, उसका सम्मान और उसके स्वावलंबन को भारत की संस्कृति ने सदैव से सर्वोच्च स्थान दिया है।

जापान में पहली महिला पीएम बनेंगी साने ताकाइची

- शिंजो आबे की थी करीबी, 'आयरन लेडी' के नाम से मशहूर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में पहली बार एक महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं। सत्ताधारी लिब्रल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने साने ताकाइची को नया अध्यक्ष चुना है। जापान में बहुमत वाली पार्टी का अध्यक्ष ही नया पीएम बनता है। ताकाइची पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की करीबी मानी जाती हैं। शिंजो जापान में सबसे लंबे समय तक पीएम रहे थे।

कॉलेज में थी हेवी मेटल बैंड की ड्रमर- साने ताकाइची का जन्म 1961 में जापान के नारा प्रांत में हुआ था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि, वे बचपन से ही अपने माता-पिता के खिलाफ बगावती रही है। नारा हाई स्कूल से अपनी स्कूलिंग पूरी करने के बाद, उन्हें टोक्यो की बड़े यूनिवर्सिटी से हायर एजुकेशन के लिए ऑफर मिला मगर उनके माता-पिता ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी का खर्च उठाने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन कोबे यूनिवर्सिटी से की। इंटरव्यू में ताकाइची ने बताया की हाई स्कूल जाते समय, देरी होने पर वे बाइक इस्तेमाल करती थी। बाइक को स्कूल के पीछे पार्क करती थी और दीवार फांद कर स्कूल पहुंचती थी। वहीं ताकाइची कॉलेज के समय हेवी मेटल बैंड में ड्रम प्लेयर थी। वे बताती हैं की उनकी परफॉरमेंस इतनी बेहतरीन होती थी कि स्टिक तक टूट जाती थी। अपनी किताब में उन्होंने अपने प्रेम प्रसंगों के बारे में भी खुल कर बताया हैं।

जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में आग

8 मरीजों की मौत

ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में देर रात हुआ हादसा; स्वास्थ्य मंत्री के सामने नारेबाजी, हंगामा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू में रविवार देर रात आग लग गई। हादसे में 8 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। रात 11 बजकर 20 मिनट पर यह आग ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो आईसीयू वार्ड के स्टोर में लगी। यहां पेपर, आईसीयू का सामान और ब्लड सैंपलर ट्यूब रखे थे।

ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर और सीनियर डॉक्टर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हादसे के समय आईसीयू में 11 मरीज थे। उसके बगल वाले आईसीयू में 13 मरीज थे।

वहीं, इस अग्निकांड की जांच के लिए शासन स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और सबूत इकट्ठे किए।

- जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है- राजस्थान के जयपुर स्थित एक हॉस्पिटल में आग लगने से हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। ईश्वर करे कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सियासी शतरंज की बिसात पर नया दौर

विनोद कुमार सिंह

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी बिगुल बज चुकी है। चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिक रूप से तिथियों की घोषणा कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों–6 और 11 नवंबर-में संपन्न होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों ही गठबंधन–अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीटों के बँटवारे को लेकर मंथन जारी है। एनडीए खेमे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान करीब 40 सीटों की माँग कर रहे हैं, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता जीतन राम मांझी गयाझ्औरंगाबाद जैसे क्षेत्रों में अपने प्रभाव के अनुरूप अधिक सीटें चाहते हैं।

दोनों नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि माँगें नहीं मानी गईं तो वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ सकते हैं–जो एनडीए की एकजुटता के लिए चुनौती बन सकता है।वहीं महा गठबंधन ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजद, कांग्रेस और वामदलों ने मिलकर 'बदलाव और बेरोजगारी के खिलाफ जनसंग्राम' का नारा दिया है।

एनडीए की सबसे बड़ी ताकत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साझा छवि है।

केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सत्ता में रहने का लाभ एनडीए को मिल सकता है।

भाजपा 'स्थिर सरकार, मजबूत बिहार' के संदेश के साथ जनता तक पहुँचने की कोशिश में है।

नीतीश कुमार का प्रशासनिक अनुभव अब भी कई वर्गों को प्रभावित करता है, हालांकि उनके लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों से कुछ मतदाताओं में असमंजस भी है।

चिराग पासवान, जिन्होंने 2024 में पाँच लोकसभा सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की, अब विधानसभा में भी निर्णायक भूमिका चाहते हैं। मांझी की पार्टी भले सीमित सीटों पर प्रभावशाली हो, परंतु कुछ क्षेत्रों में उनका जनाधार परिणाम तय कर सकता है।

महागठबंधन की मुहिम : जनता बनाम सत्ता - महागठबंधन ने इस बार 'जनता बनाम सत्ता' का मुद्दा केंद्र में रखा है।

तेजस्वी यादव बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चला रहे हैं, जबकि कांग्रेस राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित कर रही है।

वामदलों का फोकस किसानों- मजदूरों पर है - महागठबंधन की कोशिश है कि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण के साथ अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों तक भी पहुँच बनाई जाए।

नीतीश कुमार के लगातार 'पाला बदलने' से विपक्ष को 'विश्वसनीयता' का मुद्दा मिला है, जिसे वह भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

गाँव से शहर तक प्रचार युद्ध जारी है

ग्रामीण इलाकों में जातीय और स्थानीय समीकरण अब भी निर्णायक हैं। एनडीए 'लाभार्थी वर्ग' को साध रहा है-वे लोग जिन्हें केंद्र या राज्य की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। भाजपा-जदयू कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की उपलब्धियाँ गिना रहे हैं।

महागठबंधन 'रोजगार और सम्मान' को केंद्र में रखकर युवाओं से संवाद कर रहा है।सोशल मीडिया पर भी जंग तेज है - ट्विटर (X), फेसबुक और यूट्यूब पर दोनों गठबंधन प्रचार अभियान में जुटे हैं।तेजस्वी यादव और चिराग पासवान 'युवा नेतृत्व' के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। महिलाएँ और युवा : सत्ता का नया गणित -इस बार चुनावी परिणामों में महिला और युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

नीतीश सरकार की साइकिल योजना,पोषण आहार और महिला आरक्षण जैसी योजनाएँ अब भी महिला वोटरों के बीच लोकप्रिय हैं।

लेकिन बेरोजगारी और पलायन से जूझ रहे युवाओं में असंतोष विपक्ष के लिए अवसर बन सकता है।

महिलाएँ अब केवल पारंपरिक सोच से नहीं, बल्कि शिक्षा, सुरक्षा और महँगाई जैसे ठोस मुद्दों पर मतदान निर्णय ले रही हैं। एनडीए 'नारी शक्ति-मजबूत बिहार' के नारे पर केंद्रित है,जबकि महागठबंधन 'समान अवसर, समान अधिकार' को मुख्य एजेंडा बना रहा है।

चुनाव आयोग की तैयारियाँ -मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम ने बिहार की प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की है। पूवार्चंल वासियों का महापर्व छठ के बाद दो चरणों में मतदान प्रस्तावित है–6 और 11 नवंबर को होगी , वही मतगणा 14 नम्बर को होगी।सुरक्षा और लॉजिस्टिक कारणों से इस बार बहु-चरणीय मतदान को प्राथमिकता दी गई है।

भविष्य का सियासी गणित -बिहार का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक है। जाति और धर्म से आगे बढ़कर जनता विकास, रोजगार और शिक्षा पर ध्यान दे रही है। एनडीए के पास मजबूत संगठनात्मक नेटवर्क है–भाजपा की बूथ-स्तरीय मशीनरी और जदयू का प्रशासनिक अनुभव।

वहीं महागठबंधन 'परिवर्तन' के नारे और युवा ऊर्जा के सहारे मैदान में उतरा है।यदि एनडीए चिराग पासवान और मांझी की सीट माँगों को संतुलित ढंग से हल कर लेता है, तो उसकी एकजुटता बनी रह सकती है। अन्यथा मतभेद महागठबंधन को बढ़त दे सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव का परिणाम 'माइक्रो कास्ट समीकरण', 'युवा भागीदारी' और 'स्थानीय नेतृत्व की विश्वसनीयता' पर निर्भर करेगा। संक्षेप में बिहार की सियासत का नया अध्याय बिहार में सत्ता की राह हमेशा गठबंधन की राजनीति से होकर गुजरती है।एनडीए के लिए यह चुनाव 'एकता और संयम' की परीक्षा है,जबकि महागठबंधन के लिए 'विश्वसनीयता और वैकल्पिक नेतृत्व' की। जनता का मूड इस बार विकास और भरोसे के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है।आगामी महीनों में उम्मीदवार चयन और प्रचार रणनीति यह तय करेंगे कि बिहार की जनता स्थिरता चुनेगी या बदलाव। एक बात तय है –2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं, बल्कि राज्य की सियासी संस्कृति के पुनर्निर्माण की लड़ाई होगा।

मुद्दा-खाद्यान्न संकट से निपटना बड़ी चुनौती

अविनाश चन्द्र

21वीं सदी में भारत सहित समस्त विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्नों के संकट से निबटने की होगी। वर्ष 2050 तक दुनिया की आबादी के 9.3 अरब होने उम्मीद है। इतनी बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में होने वाले कुल वैश्विक उत्पादन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्नों के उत्पादन की जरूरत पड़ेगी। दुनियाभर में बने युद्ध के माहौल ने कोढ़ में खाज की ही स्थिति पैदा की है। कई ध्ल्वों में बंट चुकी दुनिया के देशों द्वारा खाद्यान्नों के आायात-निर्यात को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किये जाने के कारण समस्या और विकराल हुई है। इसके अलावा धरती की घटती उर्वरा शक्ति के साथ साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटते ह्ुए उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना सभी देशों के लिए मुश्किलों का सबब बनने वाला है। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिन देशों पर पड़ सकता है उसमें भारत सबसे संवेदनशील देशों वाले वर्ग में आता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2024 में भारत का स्थान 127 देशों में 105वें क्रम पर है। जबकि 2050 तक भारत की आबादी के बढ़कर 1.7 अरब होने की संभावना है और देशवासियों की खाद्य जरूरतों को पूरा करने उसे कुल वर्तमान उत्पादन की तुलना में उत्पादन को कम से कम 32 प्रतिशत अधिक बढ़ाना होगा।

मुश्किलों की झलक हमें विगत क्ुछ वर्षों के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगी हैं जब आश्चर्यजनक रूप गर्मी फरवरी-मार्च महीने में ही अपने तेवर दिखाने लगती है। बरसात के बदलते पैटर्न ने भी कृषि कार्य को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2021 का ही उदाहरण लेते हैं। फरवरी तक जिस गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद की जा रही थी और जिसके बल पर रिकॉर्ड निर्यात की योजना बनाई जा रही थी, मई आते आते कम उत्पादन के कारण उस पर पानी फिर गया। आलम ये बना कि सरकार को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला लेना पड़ा। गेहूं के अलावा चीनी के निर्यात को भी रोक दिया गया। यह एक दिन या एक वर्ष की बात नहीं है। आज समस्त विश्व के समक्ष बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है। दुनियाभर के नीति निर्धारक और वैज्ञानिक इस समस्या का समाधान तलाशने में अनवरत रूप से जुटे हैं। जागल्कता और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण खाद्यान्नों की सबसे ज्यादा मांग विकासशील और अल्पविकसित देशों से होने की उम्मीद की जा रही है। जबकि जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक मार भी इन्ही विकासशील देशों पर ही पड़ने की उम्मीद है। आसन्न संकट को देखते हुए दुनियाभर के नीति नियंताओं के बीच खाद्यान्न संकट से निबटने के लिए कृषि के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकि के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि और उत्पादों के बेहतर संरक्षण को लेकर सहयोग और सामंजस्य पर सहमति तैयार करने का दौर जारी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि की च्ुनौती बड़ी है लेकिन जेनेटिकली मॉडिफाइड यानी अनुवांशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादन तकनीकि से उम्मीद जगती है। इस तकनीक से फसलों को जहां कीट, बीमारी और खरपतवार रोधी बनाए जाने में सफलता प्राप्त हुई है वहीं मौसम जनित विषमताओं को झेलने में भी आसानी हुई है। एक दशक पूर्व विकसित सब1ए प्रकार के धान का पौधा बाढ़ और सूखे दोनों प्रकार की परिस्थितियों को झेलने में सक्षम है वहीं गोल्डन राइस विटामिन ए की प्रचूरता से युक्त है। चूंकि बीजों को विकसित करने के दौरान ही उनके जीन में परिवर्तन कर उन्हें कीट और खरपतवार रोधी बना दिया जाता है इसलिए पूरे फसल चक्र के दौरान इन पर रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव की या तो जरूरत नहीं पड़ती या बहुत कम पड़ती है। इस पद्धति से की जाने वाली खेती में बीज रोपने के लिए खेतों की बहुत अधिक जुताई करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है जिससे पेट्रो पदार्थों की खपत और प्रदूषक गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आती है। रसायनों के न्यून प्रयोग के कारण पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक प्रभावी है। यही कारण है कि वर्ष 1996 तक दुनियाभर में जीएम फसलों का कुल रकबा जहां 17 लाख हेक्टेयर था वहीं 2019 आते आते यह बढ़कर 1 करोड़ 94 लाख हेक्टेयर तक हो गया। भारतीय किसानों ने भी बीटी कॉटन के प्रयोग से बंपर उत्पादन प्राप्त करने और देश को शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की है। कॉटन उत्पादकों ने बीटी बीज की मदद से उत्पादन में 22 प्रतिशत की वृद्धि और मुनाफे में 68 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जबकि इसी दौरान रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में 37 प्रतिशत की कमी हुई। बीटी कॉटन की सफलता से उत्साहित भारतीय कृषि विज्ञानियों ने वर्ष 2009 में ही बीटी बैंगन भी तैयार कर लिया। व्यापक परीक्षण के बाद खाद्य नियायम प्राधिकरण द्वारा इसका अनुमोदन भी किया गया लेकिन दो दशक से भी अधिक समय से किसान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सरकारी हरी झंडी के इंतेजार में हैं। जबकि पड़ोसी देश बांग्लादेश ने 2014 में बीटी बैंगन के उत्पादन को मंजूरी दे दी और तब से वहां व्यापक रूप से इसका उत्पादन और उपभोग किया जा रहा है। सितंबर 2018 में जीईएसी की बैठक में बांग्लादेश में करीब 50 हजार किसानों द्वारा बीटी बैंगन उगाने की जानकारी दी गई थी। इसमें से 27 हजार से ज्यादा किसान ऐसे थे जिन्होंने पिछली फसल से अपने बीज बचाए थे। इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और बांग्लादेश एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (बारी) ने बांग्लादेश में बीटी बैंगन की खेती करने और न करने वाले किसानों में 2018 में एक परीक्षण किया और पाया कि बीटी बैंगन की खेती करने वाले किसानों की प्रति किलोग्राम लागत में 31 फीसदी की कमी और प्रति हेक्टेयर कमाई में 27.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि कीटनाशकों के प्रयोग में 39 फीसदी की कमी आई और बीटी बैंगन में एफएबीस कीड़े का प्रकोप केवल 1.8 फीसदी था, जबकि दूसरी किस्म के बैंगन में 33.9 फीसदी था। वर्ष 2021 फिलीपींस में भी बीटी बैंगन को मंजूरी दे दी गई। यही सूरते हाल भारतीय कृषि विज्ञानियों द्वारा विकसित सरसों की जीएम किस्म का भी है। दो दिन पूर्व ही खबर आई कि चीन ने अपने देश में सोयाबीन और मक्का सहित 98 फसलों के जीएम प्राल्प के उत्पादन की अनुमति दे दी है। जबकि भारत में जीएम फसलों का मुद्दा खाद्याा् आपूर्ति से ज्यादा राजनीति का मुद्दा बन चुका है। एक आधारहीन अवधारणा के बल पर यह साबित करने का अनवरत प्रयास चल रहा है कि जीएम खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है। इसके अतिरिक्त इसे विदेशी बीज उत्पादकों के मुनाफे से जोड़कर देसी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। कुछ सामाजिक संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, कीटनाशक उत्पादकों की लॉबी आदि के दबाव में सरकार चाहते ह्ुए भी जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति नहीं दे पा रही है। जबकि लगभग 3 हजार वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा इन फसलों की सुरक्षा का आंकलन किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूरोपीय आयोग और रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन सहित वैश्विक स्तर के 284 संस्थान जीएम फसलों को मानव और पर्यावरण के लिए स्ुरक्षित मानते हैं। 2016 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग और मेडिसिन ने 9 सौ से अधिक प्रकाशनों की समीक्षा की, 80 वक्ताओं को सुना और जनता से 7 सौ से अधिक टिप्पणियां एकत्रित की। वे सभी एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे कि गैर जीएम फसलों की तुलना में जीएम उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए कोई जोखिम पैदा नहीं करते हैं और न ही वे स्पष्ट रूप से किसी पर्यावरणीय समस्या का कारण बनते हैं। यहां तक कि भारत सरकार द्वारा भी संसद में बयान दिया जा चुका है कि जीएम सुरक्षित हैं।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो

हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और ग्वादर में अभ्यास भी हुए हैं कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर झ जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिजाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं: तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमजोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए।

अमरोहा
मंगलवार- 07 अक्टूबर 2025
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

मिशन शक्ति फेज-5 के तहत रजबपुर में विशेष जनजागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से ग्राम मुलकटा, थाना रजबपुर में एक विशेष जनजागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने स्वयं उपस्थित रहकर कार्यक्रम का नेतृत्व किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, हेल्पलाइन सेवाओं तथा शासन की विभिन्न महिला कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा– ह्महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान, अमरोहा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज तभी सशक्त बन सकता है जब उसकी नारी सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर हो। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला हेल्पलाइन 1090, महिला सहायता 181, आपातकालीन सेवा 112 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया और उपस्थित महिलाओं को इनका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक या लॉटरी/इनाम से संबंधित संदेशों पर विश्वास न करें, ऑनलाइन लेन-देन करते समय सावधानी बरतें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम थाना रजबपुर, शक्ति दीदी एवं बीट आरक्षियों द्वारा महिलाओं को शासन की ओर से संचालित योजनाओं – जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, नारी सुरक्षा एवं सशक्तिकरण मिशन, वन स्टॉप सेंटर आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राथमिक विद्यालय मुलकटा की छात्राओं को कॉपी, किताबें, पेन-पेंसिल आदि अध्ययन सामग्री वितरित की गई, जिससे छात्राओं में उत्साह और आत्मविश्वास की भावना जागृत हुई। पुलिस अधीक्षक ने बालिकाओं को शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित करते हुए कहा कि ह्शिक्षित बालिका ही सशक्त समाज की नींव है। पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की समस्याएं भी सुनीं और निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस सदैव नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं प्रगति के लिए तत्पर है। ग्राम मूलकटा में आयोजित यह कार्यक्रम महिलाओं और बालिकाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ तथा मिशन शक्ति के ह्सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बनह्व के मूल मंत्र को साकार करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। मिशन शक्ति फेज 5 अन्तर्गत संपूर्ण जनपद के सभी थानों को महिला बीटों में बांटा गया है जहां सम्बन्धित महिला बीट अधिकारी जाकर महिलाओं को जागरुक करेगी तथा उनकी समस्याओं जो किसी भी विभाग से सम्बन्धित है उनको हल कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करेंगी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों राजस्व विभाग,आंगणवाडी कार्यकत्री, आशाएं, स्वास्थय विभाग, शिक्षा विभाग, महिला कल्याण विभाग आदि से सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे ।

थाना रजपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- अपराध और अपराधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए थाना रजपुरा पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने दो वारण्टी अभियुक्तों को उनके घरों से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान शिव कुमार पुत्र भगवानदास और श्योराज पुत्र रोदास, दोनों निवासी ग्राम भीकमपुर जैनी, थाना रजपुरा, जनपद सम्भल के रूप में हुई है। थाना रजपुरा पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने के लिए यह कार्रवाई की, जिसके तहत दोनों अभियुक्तों को उनके निवास स्थान से हिरासत में लिया गया। इस ऑपरेशन में उप निरीक्षक विनोद कुमार और कांस्टेबल विकास कुमार की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस के सक्रिय प्रयासों का हिस्सा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाइयाँ जारी रहेंगी ताकि अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

भाकियू (भानू) ने अतिक्रमण को हटाने को लेकर एसडीएम को सौपा ज्ञापन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (भानू) संगठन द्वारा एक ज्ञापन एसडीएम हसनपुर को सोपा गया। जिसमें रहरा अड्डे पर डॉक्टर अरुण नागर के क्लीनिक से लेकर शराब के ठेके तक सड़क के दोनों तरफ भारी संख्या में अतिक्रमण हो रहा है। जिससे वहां पर आए दिन जाम लगा रहता है, और एक्सीडेंट होते रहते हैं। संगठन द्वारा कहा गया, कि सड़क किनारे से 15 फीट तक कोई भी रेडी, ठेला नहीं लगना चाहिए। कोई भी टेंपो व ई रिक्शा रोड पर नहीं खड़ा होना चाहिए। यूनियन कार्यकताओं ने कहा, कि जाम लगने का मुख्य कारण यह भी है कि टेंपो चालक और ई रिक्शा चालक बीच सड़क में ही खड़े होकर सवारी भरनी शुरू कर देते हैं, और इसी वजह से जाम जैसी स्थिति पैदा हो जाती है, और आए दिन ट्रैफिक जाम होने के कारण ही एक्सीडेंट जैसे हादसे सुनने और देखने को निरंतर मिलते हैं, ग्राम शेखुपुर झकड़ी अड्डा हसनपुर रोड से जो रास्ता सरकारी स्कूल को जाता है, वहां पर काफी दिनों से जल भराव की समस्या बनी हुई है। कई बार उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया गया लेकिन जल भराव की समस्या से आज तक छुटकारा नहीं मिला। आगे कहा कि 13 अक्टूबर तक अगर अतिक्रमण का समाधान नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन (भानू) के कार्यकर्ता रहरा अड्डे पर जाम व धरना प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर विजय कुमार गौतम, हरपाल सिंह, लवकुश कुमार, अब्दुल वहाब, तासीर अली बरकाती, जोगिंदर सिंह, बबलू गुर्जर, चमन प्रधान, पूजा चौधरी, हाशिम चौधरी, हसीन चौधरी, जावेद चौधरी और काफी तादाद में लोग मौजूद रहे।

पहले से ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पशुपालन विभाग के खिलाफ किया गया प्रदर्शन

पशुओं के अवशेष के साथ मिले टैग, पशुपालन विभाग नहीं दे रहा जानकारी:- कृष्ण कुमार शर्मा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय सेवी संगठन के कार्यकताओं ने पशुपालन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हाय हाय के नारे लगाए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकर्ताओ ने तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम बेगपुर मुंडा प्याऊ पर पहुंचे और पशुपालन विभाग हसनपुर हाय हाय के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि लगभग एक माह पूर्व क्षेत्र के ग्राम चांदपुर में गौवंशीय पशुओं के अवशेष मिले थे। जहां कानों में लगे तीन टैग मिले थे। जिनके बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए हसनपुर पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टर चरनजीत सिंह को टैगों के फोटो सेंड किए थे जिनके बारे में अभी तक कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई है। गौवंशीय पशुओं के अवशेष में पशुओं द्वारा खाया गया भूसा मिला था जिससे शक की सूई गौशालाओं की ओर भी गई। घटना के बाद से स्थानीय पुलिस ने कार्यवाही करते हुए कई संबंधित अपराधियों को जेल भिजवाया लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशु किसके थे कहां से आए किसने ये टैग लगाए इस तरह की कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई। प्रदर्शन करने वालों ने पुनः मांग की कि अविलंब टैंगो की जांच कर पशुओं के बारे में जानकारी प्रदान कराई जाए। इस अवसर पर डॉ रुमाल सिंह, हेमराज सिंह, मुकेश सैनी, विनोद सैनी, अली मोहम्मद, गुरमीत सिंह, अनिल कुमार, भूरे खां, किशन पाल, अंकित चौधरी, महेंद्र सैनी, गौरव कुमार, अजय कुमार , चोखे सैनी, बृजपाल सैनी आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण मिशन के अन्तर्गत कन्वर्जेन्स एक्सान प्लान की जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी बीडीओ, सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री किसी भी बच्चे की गलत स्थिति न चढ़ाएं यदि वह कुपोषित है तो उसे उसकी फीडिंग सही प्रकार करें और उन्होंने निर्देश दिए कि जिस सेंटर पर अधिक कुपोषित बच्चे या नाटापन वाले अधिक बच्चे पाया जाना वहां विजिट कर उचित कार्यवाही करें।जिलाधिकारी ने सभी ग्रामों में वजन और ऊंचाई मापने सहित अन्य सभी आवश्यक उपकरण 15 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। संभव अभियान के अंतर्गत चिन्हित सैम बच्चों को दी जा रही दवाओं की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सैम बच्चों के फॉलोअप में जिन स्थानों पर खराब प्रगति है, सम्बंधित आंगनवाड़ी कार्यकत्री और सहायिका की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। लर्निंग लैब के अंतर्गत आवश्यक पैरामीटर्स पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। आधारभूत संरचना के तहत केंद्रों पर चल रहे पेयजल, बाला वाटिका, रंगाई पुताई और रैन वाटर हार्वेस्टिंग, आंगनवाड़ी केन्द्र के निर्माण, लर्निंग लैब के कार्यों को शीघ्रता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आईसीडीएस के अंतर्गत चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा किया। गर्भवती महिलाओं धात्री और नवजात शिशुओं की जांच ट्रीटमेंट टीकाकरण के लिए वीएचएसएनडी सत्र में कितने गर्भवती महिलाओं धात्री महिलाओं बच्चों की जांच की गई कितने का ट्रीटमेंट किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जो बच्चे कमजोर हैं कुपोषित हैं उनको चिन्हित कर एनसरसीमें भर्ती कराया जाए। कहा कि आईसीडीएस द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओ को दिया जाने वाला पूरक पोषाहार का वितरण समय से हो जाए। सैम और मैम बच्चों को चिन्हित कर ज्यादा से ज्यादा बच्चों को चिन्हित कर सुधार किया जाए। आंगनबाड़ी सहायिका घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को चिन्हित करें और एनआरसी में अधिक से अधिक बच्चों को भर्ती कराएं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए, जिला कार्यक्रम अधिकारी,जिला पंचायज राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, सहित अन्य संबंधित अधिकारी सीडीपीओ आंगनबाड़ी सहायिका सुवरवाइजर मौजूद रहे।

जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं श्री वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में पोषण संचेतना अभियान माह का समापन

अपने खानपान का रखें विशेष ध्यान,पास नहीं फटकेंगे रोग:- डीएम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं श्री वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में एक माह तक चले पोषण संचेतना अभियान का समापन हो गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने इसमें प्रतिभाग करने वाले यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं जेबीएफ का न्यूट्रीशन देकर सम्मानित किया। वहीं जेबीएफ की ओर से गांव मोहम्मदाबाद स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को टैबलेट देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।
सोमवार की शाम अमरोहा जनपद में बाईपास पर स्थित श्री वेंक्टेश्वरा यूनिवर्सिटी में आयोजित समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीएम निधि गुप्ता वत्स, सीडीओ अश्विनी कुमार, विशिष्ट अतिथि जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, प्रोफेसर कृष्णकांत दवे, सीडीपीओ आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने इस कार्य के लिए जुबिलेंट एवं श्री वेंक्टेश्वरा प्रबंधन की प्रशंसा की। कहा कि जंक फूड, फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक आदि उत्पादों के सेवन से बचकर स्वास्थ्य को सही रखा जा सकता है। पोषण संचेतना अभियान माह के दौरान आयोजित यह कार्यक्रम वास्तव में सराहनीय है लेकिन हमें अपने कदम रोकने नहीं चाहिए। दोबारा से उन्हीं गांवों में जाकर लोगों को फास्ट फूड से बचने को जागरूक किया जाना चाहिए। जेबीएफ के मेडिकल हेड डा. सुजिंदर फोगाट ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जुबिलेंट कई कार्य कर रही है। इस मौके पर जुबिलेंट में सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव, चंदन प्रसाद, नवनीत ग्रेवाल. सुमित गर्ग, आशु, जॉनी आदि भी मौजूद रहे।

जिले में यातायात पुलिस और थाना पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस तथा थाना पुलिस द्वारा विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत जाति सूचक शब्द लिखे वाहनों बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों, लाल-नीली बत्ती, हूटर, सायरन, अवैध नंबर प्लेट, काली फिल्म, और सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस की टीमों और थाना पुलिस ने प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील मार्गों पर अभियान चलाया अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए वाहन चालकों को मौके पर ही मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के तहत चालान की कार्यवाही की गई। इस दौरान कुल 387 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें से कई वाहनों पर जाति सूचक शब्द लाल-नीली बत्तियाँ, हूटर एवं काली फिल्में मौके पर ही हटाई गईं और स्टैंडर्ड ड्राइविंग करने वाले एवं निर्धारित गति से तेज चलने वाले वाहनों पर `५ एक्ट के अंतर्गत चालान किए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, बिना हेलमेट वाहन न चलाने, सीट बेल्ट ना लगाने, और निर्धारित लेन में वाहन चलाने की सख्त हिदायत दी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है

भा.कि.यू. (बी.आर. अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में जनसमस्याओं को लेकर एडीओ पंचायत को सौंपा ज्ञापन

वरतोरा गांव में गरीब परिवारो को सरकारी सहायता से शौचालय व आवास दिलवाने की मांग की

रहरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के गंगेश्वरी ब्लॉक के अंतर्गत वरतोरा गांव के कई परिवारों ने शौचालय निर्माण के लिए सरकारी सहायता न मिलने की शिकायत भारतीय किसान यूनियन बीआर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी से की थी जिसके संबंध में दिग्विजय सिंह भाटी ग्रामीणों के साथ विकास खंड गंगेश्वरी पहुंचे और गरीब परिवारो के लिए सरकारी सहायता से शौचालय व आवास की मांग की। भारतीय किसान यूनियन बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विकासखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन उनकी अनुपस्थिति में एडीओ पंचायत गंगेश्वरी को सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में सनेश (पत्नी प्रीतम सिंह), शीला (पत्नी नरेश), मनोज (पत्नी राजेंद्र), हरमाल (पत्नी हरपाल), अंजली (पत्नी रोहित), राजवाला भारती (पत्नी संजय सिंह), सर्वेश (पत्नी राजवीर), मुन्नी (पत्नी कैलाश), विमला (पत्नी महेंद्र), प्रति (पत्नी वनैम सिंह), रीना (पत्नी रनजीत), पबली (पत्नी शीलचंद), पिंकी (पत्नी किरपाल), मोनिका (पत्नी शोभित), गायत्री (पत्नी सुकेश), सावित्री (पत्नी गंगाराम), और मनोज (पत्नी जगपाल सिंह) ने बताया कि उन्हें स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण के लिए सरकारी सहायता अभी तक नहीं मिली है।इन परिवारों ने बीडीओ से अपील की है कि सरकारी योजना के तहत उन्हें शौचालय निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि शौचालय की कमी के कारण उन्हें खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। जिस पर एडीओ पंचायत के द्वारा डॉ दिग्विजय सिंह भाटी व ग्रामीणों और कार्यकताओं को आश्वस्त किया गया कि अगर जो भी परिवार सरकारी योजना के लाभ के लिए पात्र हैं तो उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह जांच कर उन्हें लाभ दिलवाएंगे।

डीएम की अध्यक्षता में पीसीएस, एसीएफ एवं आरएफओ की प्री परीक्षा की तैयारियों के संबंध में हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पीसीएस, एसीएफ एवं आरएफओ की प्री परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि सभी सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, संबधित अधिकारीगण, केन्द्र व्यवस्थापक परीक्षा के सफल संचालन एवं परीक्षा को शान्तिपूर्वक, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए लगन से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि जनपद में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये परिवहन विभाग के अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्था कर लें। उन्होंने परीक्षा में महिला अभ्यर्थी भी शामिल होंगी, उनकी सुरक्षा के लिये विशेष प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि अभ्यर्थियों के साथ मधुर व्यवहार किया जाए एवं उनके बैग इत्यादि रखवाने की उचित व्यवस्था की जाए। सभी केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि कक्ष निरीक्षकों की अच्छे तरीके से ट्रेनिंग दी जाए। जिलाधिकारी ने सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करना सुनिश्चित करें ताकि कोई भी कमी ना रहे। इसके साथ ही कि परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी, विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा, पेयजल, साफ सफाई, शौचालय एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी सुनिश्चित कर लें। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा के दिन परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित समय से अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर आयोग के अनुदेशों के अनुरूप परीक्षा के दिन समस्त अपेक्षित कार्यवाही समय पर सम्पादित करेंगे। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगा दी गई है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की गई है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व परीक्षा की नोडल अधिकारी गरिमा सिंह ने बताया कि परीक्षा जनपद में 15 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिसमें 7008 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में पूर्वान्ह 09:30 से 11:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 2:30 बजे से 04:30 बजे तक होगी। पहली पाली में शामिल होने वाले परीक्षार्थी दूसरी पाली की परीक्षा में बैठेंगे। ए०के०के०इण्टर कालेज बिजनौर रोड, राजकीय इण्टर कालेज, निकट गांधी मूर्ति, जे एस हिन्दू इंटर कॉलेज आजाद रोड, भगवत सरन इण्टर कालेज, दिल्ली रोड, जोया, राजकीय बालिका इण्टर कालेज, टी०पी० नगर, चौराहा, आई०एम० इण्टर कालेज, आजाद रोड, निकट आर्य समाज मंदिर, जे.एस. हिन्दू महाविद्यालय ब्लॉक-ए. आजाद रोड, निकट अम्बेडकर पार्क, जे.एस. हिन्दू महाविद्यालय ब्लॉक-बी. आजाद रोड, निकट अम्बेडकर पार्क, कुन्दन मॉडल इन्टर कालेज, निकट टी०पी० नगर चौराहा, श्रीराम किसान इंटर कॉलेज ग्राम बादशाहपुर नौगांव सादात, श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज कंचन बाजार धनौरा, राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मौ0 महादेव निकट रामलीला मैदान धनौरा थाना रोड, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज थाने के पीछे बस्ती रोड गजरौला और शिव इंटर कॉलेज रेलवे स्टेशन गजरौला को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, आयोग के प्रतिनिधि चंद्र प्रकाश मिश्रा, केन्द्र व्यवस्थापक एवं सह केंद्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कल्कि महोत्सव में ड्यूटी के दौरान 26 वर्षीय कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में चल रहे कल्कि महोत्सव के उद्घाटन सत्र के समापन के बाद एक दुखद घटना सामने आई। शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात 26 वर्षीय सत्येंद्र पाठक की ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। घटना सोमवार दोपहर लगभग 2:30 बजे की है, जब सत्येंद्र पाठक को अचानक हार्ट अटैक आया और वह वहीं गिर पड़े। महोत्सव में मौजूद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत पहुंचकर सीपीआर के जरिए उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बहजोई ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सत्येंद्र पाठक, पुत्र नवल किशोर पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के पुस्तकालय विभाग में तैनात थे। उनकी ड्यूटी कल्कि महोत्सव में लगाई गई थी। इस घटना की खबर मिलते ही शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दुखद घटना ने महोत्सव के उत्साह पर गहरा असर डाला है, और सत्येंद्र के परिवार व सहकर्मियों में गम का माहौल है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित नि:शुल्क दलहन बीज मिनीकिट चना, मटर एवं मसूर वितरण की ई-लाटरी का आयोजन

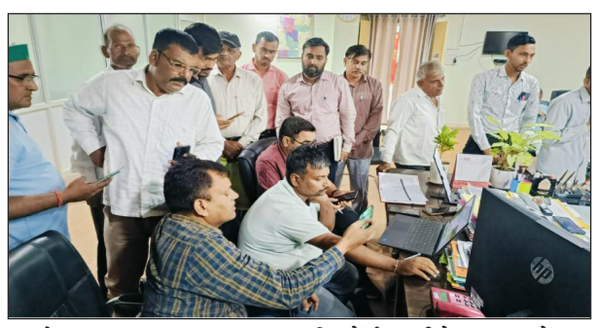

अमरोहा(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्त पोषित नि:शुल्क दलहन बीज मिनीकिट चना, मटर एवं मसूर वितरण की ई-लाटरी का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष चना लक्ष्य 50 के सापेक्ष 111, मटर लक्ष्य 50 के सापेक्ष 58, मसूर 25 के सापेक्ष 67 कृषको के द्वारा आनलाईन बुकिग की गयी थी। जिसमें ई-लाटरी के द्वारा चना में 50, मटर में 50 एवं मसूर में 25 कृषको चयन किया गया। ई- लाटरी के समयं डॉ राम प्रवेश (उप कृषि निदेशक, अमरोहा) एवं मनोज कुमार जिला कृषि अधिकारी अमरोहा एवं भूपेन्द्र चैधरी प्रगतिशील कृषक और आनलाईन बुकिग करने वाले कृषक तेजपाल सिहं, कल्लू सिंह, ललित कुमार, मेघराज सिंह एवं धर्म सिंह आदि किसान मोजुद रहे। जिन किसानो का ई- लाटरी में चयन हुआ है। उन सभी किसानो के मोबाईल पर मेसेज गया है। वह सभी किसान अपने विकास खण्ड के राजकीय कृषि बीज भंण्डार से मिनीकिट प्राप्त कर लें। इसी प्रकार जनपद में सरसों की मिनीकिट कि बुकिग चल रही है। सभी किसान भाई से अपील कि जाती है किसान भाई कृषि विभाग कि वेवसाइट agridarshan.up.gov.in पर अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र से सरसो मिनीकिट बुक करा सकते है। अन्त में डॉ राम प्रवेश (उप कृषि निदेशक) ने यह भी बताया कि जो कृषक सरदकालीन गन्ने की बुवाई के साथ सरसो की अन्तः फसली खेती करना चाहते है। उन किसानो के लिए विभाग द्वारा सरसो का प्रमाणित बीज 4.00 किलोग्राम प्रति हेक्टयर कि दर से दिया जायेगा।

महिलाओं और बालिकाओं के लिए पम्पलेट देकर किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद सम्भल में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में जनपद के सभी थानों की महिला पुलिसकर्मियों ने अपने क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर बालिकाओं को जागरूक किया और महिला संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाए।
महिला पुलिसकर्मियों ने स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों, चौराहों और धार्मिक स्थलों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही, पुलिस हेल्पलाइन नंबरों के पंपलेट बांटकर आपात स्थिति में सहायता के बारे में बताया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा, हमारा लक्ष्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है। यह अभियान समाज में जागरूकता और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

सम्भल में 6 अक्टूबर से शुरू हुआ कल्कि महोत्सव/विकासोत्सव 2025, किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट स्थित बड़ा मैदान में 6 से 13 अक्टूबर तक चलने वाले सम्भल कल्कि महोत्सव/विकासोत्सव 2025 का शुभारंभ आज धूमधाम से हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की उपस्थिति में विभिन्न विभागीय और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक माध्यमिक शिक्षा में बदलता उत्तर प्रदेशः प्रोजेक्ट अलंकार कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी उपस्थित रहीं। अपराह्न 2:00 से 3:30 बजे तक मत्स्य सम्मेलनः मत्स्य में रोजगार, आत्मनिर्भरता की ओर उत्तर प्रदेश कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मत्स्य मंत्री संजय कुमार निषाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शाम 6:00 बजे सांस्कृतिक संध्या के साथ महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, प्रभारी मंत्री होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति, और मंडलायुक्त मुरादाबाद आंजनेय कुमार सिंह उपस्थित रहे। महोत्सव के दौरान अन्य दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की समय-सारणी पर भी चर्चा की गई, और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, डिप्टी कलेक्टर/प्रभारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बहजोई नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर निधि पटेल, सौरभ कुमार पाण्डेय, रामानुज, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी नगर के समीप ग्राम पथरा स्थित डा. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल संचालक महानंदन गौतम और प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने समस्त स्टाफ के साथ महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में स्कूल संचालक महानंदन गौतम ने छात्रों को बताया कि महर्षि वाल्मीकि, जिन्होंने भगवान राम की प्रामाणिक जीवनगाथा 'रामायण' की रचना की, उनकी जयंती प्रत्येक वर्ष आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार, महर्षि वाल्मीकि का बचपन का नाम रत्नाकर था। उनके जन्म को लेकर कई किंवदंतियां प्रचलित हैं, जिनमें कुछ उन्हें ब्राह्मण परिवार में जन्मा बताते हैं, तो कुछ का मानना है कि वे बचपन में अपने माता-पिता से बिछड़कर शिकारियों के संपर्क में आए। उन्होंने बताया कि युवावस्था में रत्नाकर लूटपाट के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन महर्षि नारद के उपदेशों से प्रभावित होकर उनका हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने कठिन तप कर अपने पापों का प्रायश्चित किया।
शिक्षक अश्विनी शर्मा ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि को भगवान राम के युग का माना जाता है। वहीं, सत्येंद्र सिंह ने कहा कि मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि ने माता सीता को अपने आश्रम में आश्रय प्रदान किया था, जहां उनके पुत्र लव और कुश का जन्म हुआ। उन्होंने लव और कुश को रामायण का ज्ञान दिया, जिन्होंने सर्वप्रथम रामायण का गान किया। सत्यपाल सिंह ने भी महर्षि वाल्मीकि के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला।
इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक रमन शर्मा, रंजीत कुमार, सीमा अग्रवाल, रिनी अग्रवाल, क्षमता, शालू, सोनी, योगेश, आरती सिंह, अनामिका, सुशीला, राजकुमारी, दुर्गेशनंदिनी, रेशमा, आभा रानी, प्राची गौतम, श्याम सिंह सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रों ने भी महर्षि वाल्मीकि के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

अचानक मौसम ने ली अंगड़ाई, धान की फसल पर छाया संकट

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में सोमवार को हुई अचानक बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। बदले हुए मौसम ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई लेकिन दूसरी ओर किसानों की कमर तोड़ते हुए धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचा दिया। खेतों मे पकी हुई फसल और कटाई का काम पूरी तरह ठप हो गया है। स्थानीय किसान ने बताया कि"हमारी मेहनत रंग लाई थी, धान की फसल कटाई के लिए तैयार थी। लेकिन बारिश ने सब बर्बाद कर दिया। उनका कहना है कि इस मौसम में बारिश फायदेमंद होती है, लेकिन अचानक बारिश ने उल्टा असर डाला है। मौसम सुहाना होने से लोग घरों से निकल रहे हैं, लेकिन किसानों के चेहरों पर मायूसी साफ झलक रही है।

डीएम ने की संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी एवं दस्तक अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता के लिए के लिए निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के महत्व एवं दस्तक अभियान की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए। निधि गुप्ता वत्स ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आज भारी वर्षा हुई है, जगह जगह जलभराव हो गया है, जल भराव को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। इसके लिए बीडीओ और एडीओ पंचायत और संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर निस्तारण कराएं। उन्होंने तालाबों में मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए बीटीआई का छिड़काव करने का निर्देश दिया, ताकि जलजनित बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। स्थानीय निकायों पर संवेदीकरण एवं शहरी टास्क फोर्स बैठकें और ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सहायकों के संवेदीकरण हेतु ब्लॉक स्तरीय बैठकें जहां पर नहीं हो पाई हैं, वहां पर कल तक शत प्रतिशत कराएं। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय माइक्रोप्लान के अनुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर संचारी रोग नियंत्रण की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। लोगों को संचारी रोगों से बचने के लिए क्या करें और क्या न करें के संबंध में सीधे और सरल भाषा में जानकारी दी जाए। शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में झाड़ियों की कटाई कराई जाए। उन्होंने ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा स्प्रे, गड्ढों की भराई, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, डीपीओ ज्ञान प्रकाश तिवारी, समस्त सीएचसी एवं पीएचसी से प्रभारी चिकित्सक और एडीओ पंचायत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बदला बदला नजर जाएगा पंखा रोड, 5.5 करोड़ की लागत से होंगे कई कार्य; नई ड्रेन, फुटपाथ, और स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी

पश्चिमी दिल्ली। अव्यवस्था का पर्याय बनी बाहरी रिंग रोड के अहम हिस्से पंखा रोड की तस्वीर आने वाले समय में बदली बदली सी नजर आएगी। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि इस सड़क का सुंदरीकरण इस तरह से किया जाए कि यहां से गुजरने वाले लोगों को यह दिल्ली की शानदार सड़कों में से एक के तौर पर नजर आए। नई ड्रेन, आयरन ग्रिल, नया फुटपाथ और भी बहुत कुछ पंखा रोड की सूरत बदले इसके लिए पूरे ध्यान से योजना बनाई गई है। पूरी कवायद पर करीब साढ़े पांच करोड़ रुपये खर्च होंगे। रविवार को इस पूरी परियोजना का क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री आशीष सूद व क्षेत्रीय सांसद कमलजीत सहरावत ने उदघाटन किया। इस दौरान बताया गया कि सड़क पर जलनिकासी की व्यवस्था के लिए नई आरसीसी ड्रेन का निर्माण होगा। ग्रिट प्लास्टर एवम आयरन ग्रिल के साथ टो वाल का निर्माण किया जाएगा। सड़क के दोनों हिस्सों

में नए फुटपाथ बनेंगे जो राहगीरों के इसके उपयोग को प्रेरित करेंगे। सड़क के दोनों और स्ट्रीट लाइट लगेगा। सड़क के नाले वाले हिस्से से सटे सर्विस लेन में सुंदरीकरण और हरियाली का काम किया जाएगा। साथ साथ पूरे क्षेत्र की सफाई, सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग के अनेक कार्य होंगे। बदलाव की बयार प्रदेश के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने पंखा रोड के पुनर्विकास कार्य का उदघाटन करते हुए कहा कि दशकों तक जनकपुरी के निवासियों की आवाज को अनसुना किया गया लेकिन अब बदलाव की हवा बह रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र के निवासियों की न सिर्फ समस्याएं सुन रहे हैं बल्कि उनके ठोस समाधान के लिए भी दिन-रात कई स्तरों पर काम भी किया जा रहा है अब पूरे जनकपुरी में विकास की हवा बह रही है। आज इसी कड़ी में जनकपुरी के पंखा रोड की में कई

पश्चिमी दिल्ली के पंखा रोड का प्रदेश सरकार सौंदर्यीकरण करेगी। इस परियोजना पर लगभग साढ़े पाँच करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़क पर नई ड्रेन फुटपाथ और स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। नाले के पास हरियाली का काम होगा। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा।

विकास कार्यों की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा की गंदगी, अव्यवस्था, नारकीय जीवन न केवल जनकपुरी बल्कि विकासपुरी, उत्तम नगर, नजफगढ़ और नांगलोई तक के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या और चुनौती बन गई थी। यहां से निकलते हुए लोगों को गंदगी, कूड़े, जलभराव, आवारा पशुओं के कारण दुर्घटना होने और टूटे रोड का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने इस समस्या का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस पूरे क्षेत्र को आज से स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके सुखद परिणाम जल्द ही यहां के निवासियों को देखने को मिलेंगे। हमारा संकल्प है कि इस क्षेत्र के एक-एक हिस्से को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया जाए ताकि लोग गर्व से कह सके की हम एक विकसित क्षेत्र के निवासी हैं।

संगम विहार के विकास के लिए 100 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ, डीटीसी के दो नए बस रूटों की भी शुरूआत

दक्षिणी दिल्ली। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि संगम विहार का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। इस क्षेत्र को दिल्ली सरकार सबसे विकसित और सुंदर क्षेत्र बनाने के लिए कृत संकल्प है और उसके लिए फंड की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सांसद बिधूड़ी रविवार को संगम विहार क्षेत्र में करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से शुरू होने वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ संगम विहार विधानसभा क्षेत्र से विधायक चंदन कुमार चौधरी भी मौजूद थे। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बताया कि इन विकास कार्यों में क्षेत्र में पानी की पाइप लाइन बिछाई जाएंगी, सीवरेज का काम और जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके अलावा बारात घर, नए बोरवेल, सड़कों और गलियों की मरम्मत, छठ घाट का निर्माण कार्य भी शामिल हैं। विधायक चंदन कुमार चौधरी ने कहा कि संगम विहार को अब तक सबसे उपेक्षित क्षेत्र माना जाता रहा और लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर थे। मगर अब इस विधानसभा क्षेत्र का भी कायाकल्प होने वाला है। इस मौके पर उन्होंने डीटीसी के दो बस रूटों का भी शुभारंभ किया। इनमें एक रूट शूटिंग रेंज से महरौली तक और दूसरा शूटिंग रेंज से एम्स तक होगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष माया बिष्ट, मनोनीत निगम पार्षद और पूर्व जिलाध्यक्ष रोहतास कुमार एडवोकेट भी उपस्थित रहे।

हत्या के चार मामलों में शामिल कुख्यात बदमाश को अवैध हथियारों के साथ दबोचा

नई दिल्ली। हत्या के चार मामलों में शामिल कुख्यात बदमाश को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक पिस्टल, एक कट्टा और आठ कारतूस बरामद हुए हैं। इसकी पहचान बागपत के दीपक कुमार उर्फ संजय के रूप में हुई है। वह वर्ष 2023 में पैरोल जंप कर भाग गया था और न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित था। वह दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कुल नौ आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिसमें हत्या के चार, डकैती के दो, आर्म्स एक्ट दो और चोरी का एक मामला दर्ज है। उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, 30 सितंबर को एसआइ अमित कुमार को आरोपित के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर एसीपी रमेश लांबा की देखरेख में और इंस्पेक्टर सतेंद्र खारी के नेतृत्व में गठित टीम ने आनंद विहार बस टर्मिनल पर जाल बिछाते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक .32 बोर की पिस्टल, एक कट्टा और आठ कारतूस बरामद हुए। जांच में पता चला कि 2008 में, दीपक रोहतक के सुखपुरा चौक पर हुई एक हत्या में शामिल था, जिसके लिए उसे 20 साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। बाद में उसे पैरोल पर रिहा कर दिया गया, लेकिन वह फरार हो गया और शिवराज पार्क, नांगलोई में रहने लगा, जहां उसने शादी कर ली।

तिहाड़ में कैदियों द्वारा बनाए जाने वाले 42 उत्पाद हुए सस्ते, जीएसटी दरों में बदलाव का दिख रहा असर

पश्चिमी दिल्ली। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपनी प्रसिद्ध टीजे उत्पादों की कीमत में बड़े स्तर पर कमी करने का निर्णय लिया। इस निर्णय के असर से तिहाड़ की विभिन्न फैक्ट्रियों में बनने वाली एक दो नहीं बल्कि 42 उत्पादों की कीमत में कमी आई है। उत्पादों की कीमत कमी होने का असर न सिर्फ जेल की चारदीवारी के भीतर बल्कि तिहाड़ के उन आउटलेटों पर भी नजर आएगा, जहां लोग रोजमर्रा से जुड़ी चीजें खरीदने पहुंचते हैं। सबसे ज्यादा बेकरी उत्पादों पर असर जेल प्रशासन द्वारा सर्कुलर के अनुसार जेल की फैक्ट्रियों में निर्मित 42 उत्पादों की कीमत हुई हैं, उनमें अधिकांश पैक्ड उत्पाद शामिल हैं। सबसे ज्यादा बेकरी उत्पादों की कीमत कम हुई है। पहले 360 ग्राम के केक की कीमत 156 रुपये थी, अब इसकी कीमत 139 रुपये हो

गई है। फ्रूट केक के पैकेट की कीमत 161 रुपये थी जो अब 141 रुपये हो गई है। इसके अलावा नान खटाई, तरह तरह की कूकीज, स्वीट फेन मट्ठी, केक, क्रीम रोल, पनीर पेटीज, नमकीन की दरें भी कम हुई हैं। समोसा व बेड पकोड़ा भी हुआ सस्ता कीमतों में कमी के असर से जेल के कैदी कुछ हद तक खुश हैं। इसे इस बात से समझें कि पहले जेल की कैंटीन में कैदी एक समोसे के लिए पहले 15 रुपये का भुगतान करता था, अब उसी समोसे की कीमत एक रुपया कम होने के बाद 14 रुपये हो गई। यानि एक रुपये की सीधी बचत। ब्रेड पकोड़ा पहले 16 रुपये में एक मिलता था, अब 15 रुपये में एक मिल रहा है। जेल मुख्यालय ने जीएसटी कटौती को देखते हुए नई दरों की सूची सभी जेल अधीक्षकों को भेजकर इसे तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। हाउस कीपिंग उत्पाद, मसाले व मेंहदी की कीमत नहीं हुई कम जेल की फैक्ट्रियों में हाउस कीपिंग से जुडे कई उत्पाद बनाए जाते हैं। इनमें टायलेट क्लीनर, ग्लास क्लीनर व अन्य उत्पाद शामिल हैं। इनकी जीएसटी दरों में बदलाव नहीं होने के कारण इनकी कीमत यथावत है। तिहाड़ में बेकिंग व कंफेशनरी उत्पादों की फैक्ट्री तिहाड़ में जेल संख्या दो के भीतर तिहाड़ स्कूल आफ बेकिंग बना हुआ है। यहां बड़ी संख्या कैदी काम करते हैं। यह तिहाड़ जेल की सबसे बड़ी फैक्ट्री है। यहां बने उत्पाद जेल की कैंटीन के साथ तिहाड़ के तमाम आउटलेट्स में भी भेजे जाते हैं। गुणवत्ता के कारण इन उत्पादों की काफी मांग रहती है। तिहाड़ परिसर से बाहर मंडोली की जेल संख्या 14 में भी बेकरी है। यहं भी बड़ी संख्या में कैदी काम करते हैं। यहां काम करने वाले कैदियों को जेल प्रशासन मेहनताना भी देता है।

दिल्ली में उत्तराखंड महोत्सव संस्कृति और परंपरा का संगम, सीएम रेखा गुप्ता ने दोनों राज्यों के रिश्ते को बताया अटूट

बाहरी दिल्ली। रोहिणी सेक्टर-10 में "हम सबका उत्तराखंड" संस्था की ओर से रविवार को आयोजित उत्तराखंड महोत्सव में उत्तराखंड की लोकसंस्कृति और परंपरा की मनमोहक झलक देखने को मिली। इस आयोजन का उद्देश्य उत्तराखंड लोक संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ना है। इस मौके पर पहुंची दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली और उत्तराखंड का संबंध आत्मा और मन का है। क्योंकि दिल्ली का मन उत्तराखंड में ही टिका रहता है। हर प्रदेश के अपने रंग हैं, और इन रंगों से बनती है भारत की तस्वीर। आनंद आता है, जब हम सभी एक दूसरे के त्योहार खुशी के साथ मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की लोक-परंपराओं को अपने उत्सवों, अपने समाज और अपनी संस्कृति में सहेज लेती है। यही दिल्ली की पहचान है, जो हर परंपरा को

अपनाकर और भी जीवंत बन जाती है। वहीं, उत्तराखंड के लोकप्रिय कलाकारों पवन मैथानी, ललित मिहान जोशी, खुशी जोशी, राकेश पनेरू, हरि जोशी और दीवान कन्याल ने प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपरा का पर्व है। अपने लोगों के बीच होना गर्व की बात है। वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कलाकारों और आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज और संस्कृति को जोड़ने का कार्य करते हैं। इस मौके पर रिठाला विधायक कुलवंत राणा, अनिल पानू, मनोज भंडारी,राजेंद्र सिंह भंडारी, सुरेंद्र हालसी, जगजीवन कन्याल, मनोज भट्ट, सुरेश पांडे, पद्मश्री डा. जीवन सिंह सहित बड़ी संख्या में उत्तराखंडी समाज के लोग मौजूद रहें।

जेएनयू में अब बिना अनुमति नहीं होगा कोई कार्यक्रम, प्रशासन ने जारी की सख्त एडवाइजरी, जानें नए नियम

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने एक एडवाइजरी जारी कर कहा है कि छात्रों को हर छोटे और बड़े कार्यक्रम के आयोजन से पहले अनुमति लेना जरूरी होगा। पहले भी अनुमति ली जाती थी, लेकिन कुछ कार्यक्रम छात्र अपने स्तर पर आयोजित करते थे और उनकी कोई आधिकारिक रूप से अनुमति नहीं लेते थे। हाल में नवरात्र के दौरान दो छात्र संगठन आमने-सामने आ गए थे। इससे काफी तनाव भरा माहौल बन गया। इसके बाद ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई जेएनयू प्रशासन के अनुसार, दो अक्टूबर को कैंपस में दो छात्र समूहों के बीच झड़प की घटना सामने आई, जिसे प्रशासन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। जेएनयू प्रशासन ने सभी छात्रों से कैंपस में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। एडवाजरी में स्पष्ट किया गया है कि कैंपस में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की हिंसा या कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहयोग करने का किया अनुरोध इसके अतिरिक्त प्रशासन ने निर्देश दिया है कि कैंपस में किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य है। अनुमति के बिना

आयोजित किसी भी कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। जेएनयू के डीन ऑफ स्टूडेंट्स कार्यालय ने सभी हितधारकों से कैंपस की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया है। छात्र संघ चुनाव की तैयारियां तेज यह एडवाइजरी विश्वविद्यालय की वेबसाइट, ई-ऑफिस और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। जेएनयू प्रशासन ने छात्रों से संयम बरतने और हिंसा से दूर रहने की अपील की है ताकि कैंपस में शैक्षणिक और सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहे। जेएनयू की डीओएस प्रो. मनुराधा चौधरी ने कहा, छात्र संघ चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। विश्वविद्यालय में शांति बनाए रखना अहम है। इसलिए एडवाइजरी जारी कर सभी छात्रों से सहयोग करने और हर कार्यक्रम की पूर्व सूचना देने का अनुरोध किया गया है।

दिल्ली HC से डिजिटल ठग को झटका, फर्जी दस्तावेज और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर करोड़ों की ठगी

नई दिल्ली। आए दिन बड़ी संख्या में लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है और करोड़ों रुपये की ठगी की जा रही है। मगर ऐसे मामलों में आरोपितों को पकड़ने से लेकर सजा दिलाने में पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ती है। डिजिटल धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़े ऐसे ही एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने आरोपित मोहित को गिरफ्तारी पूर्व रिहाई देने से इन्कार कर दिया है। जांच एजेंसी की चुनौतियों पर डाला प्रकाश न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के मामले बढ़ रहे हैं और आरोपित कानून से बचने के लिए तकनीक का दुरुपयोग कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि यह डिजिटल धोखाधड़ी से जुड़ा गंभीर मामला है और कई संचार उपकरणों का इस्तेमाल भोले-भाले पीड़ितों को गुमराह कर ठगने के लिए किया जा है। ऐसे मामलों को सुलझाना काफी मुश्किल हो जाता है और जांच एजेंसी का काम कठिन है। ऐसे में मामले की निष्पक्ष व उचित तरीके से जांच करने का मौका दिया जाना चाहिए। अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका खारिज पीठ ने कहा कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और गिरफ्तारी-पूर्व जमानत देने का आधार नहीं है और प्रकरण की गहन जांच की आवश्यकता है। पीठ ने यह भी कहा कि याची के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर विचार करते हुए इस स्तर पर यह नहीं माना जा सकता कि जांच उसे नुकसान पहुंचाने या अपमानित करने के इरादे से की जा रही है। अदालत के समक्ष पेश की सामग्री से प्रथम दृष्टया याची को झूठे आरोप में फंसाने का संकेत नहीं मिलता है। उक्त टिप्पणी के साथ अदालत ने आरोपित की अग्रिम जमानत की मांग वाली याचिका खारिज कर दी।पुलिस अधिकारी बन किया फजीर्वाड़ा रोपित के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश रचने के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 की धारा 66सी और 66डी के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली में एमबीबीएस छात्रा से पार्टी में दुष्कर्म, वीडियो

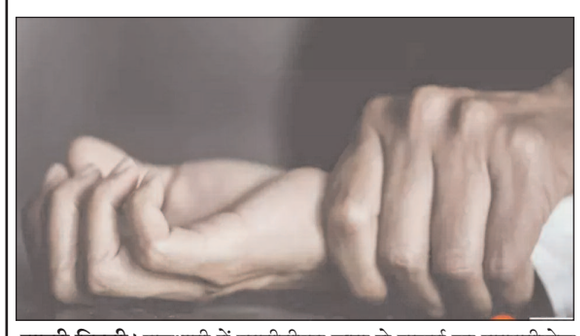

बाहरी दिल्ली। राजधानी में एमबीबीएस छात्रा से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रोहिणी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज की छात्रा का आरोप है कि उसके दोस्त ने पार्टी के बहाने होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया और उसके दो दोस्तों ने वीडियो बनाया। वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर एक महीने के दौरान कई बार दुष्कर्म किया गया। महीने भर बाद छात्रा ने आदर्श नगर थाना में तीन अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि दोनों हरियाणा के रहने वाले हैं और स्कूल समय से एक-दूसरे को जानते हैं। आरोपी युवक मुखर्जी नगर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी के दो दोस्तों की भूमिका की जांच कर रही है। उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस के अंतर्गत आदर्श नगर थाने में दर्ज कराई शिकायत में 18 वर्षीय छात्रा ने बताया कि वह रोहिणी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा है। गत पांच सितंबर को उसे अमनप्रीत ने आदर्श नगर स्थित एक होटल में पार्टी के बहाने बुलाया। एमबीबीएस छात्रा ने बताया कि अमनप्रीत से उसकी दोस्ती थी, इसलिए उस पर भरोसा कर पार्टी में चली गई। होटल में उसके दो दोस्त भी थे। इसी दौरान ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला दिया। बेहोश होने के बाद आरोपी ने दुष्कर्म किया और दो अन्य ने वीडियो रिकार्डिंग की। इसके बाद वीडियो दिखाकर उसे ब्लैकमेल किया और उससे बार-बार दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसने वीडियो को इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 123 व 64 (1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने आदर्श नगर के होटल का रिकार्ड अपने कब्जे ले लिया है। होटल के रिकार्ड में दोनों की पांच सितंबर रात साढ़े 11 बजे की एंट्री मिली है। दोनों ने अगली सुबह लगभग पौने 11 बजे चेक आउट किया। बताया जाता है कि पुलिस को होटल की वीडियो रिकार्डिंग नहीं मिल पाई है। इस बारे में मेडिकल कॉलेज प्रशासन से संपर्क किया तो एक वरिष्ठ अधिकारी ने ऐसे किसी मामले की जानकारी होने से इनकार किया है।

दिल्ली के पूर्व ओबीसी चेयरमैन से 10 लाख की ठगी गुजरात की दूध कंपनी के मैनेजर पर केस दर्ज

पूर्वी दिल्ली। भजनपुरा इलाके में दिल्ली के पूर्व ओबीसी चेयरमैन के साथ दस लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि पीड़ित ने गुजरात की एक दूध कंपनी के मैनेजर को दूध खरीदने के लिए पेमेंट की थी। वह रकम को लेकर चंपत हो गया। भूपेंद्र सिंह मावी की शिकायत पर भजनपुरा थाना ने पांच अक्टूबर को ठगी का केस दर्ज किया है। पुलिस उस बैंक खाते की जांच-पड़ताल कर रही है, जिसमें रकम ट्रांसफर की गई है। आरोप केस दर्ज करवाने के लिए पीड़ित को तीन माह तक पुलिस के चक्कर काटने पड़े। भूपेंद्र सिंह मावी अपने परिवार के साथ यमुना विहार में रहते हैं। उनका सुंदर मिल्क प्रोडक्ट के नाम से कारोबार है।पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित ने बताया कि उन्हें दूध की जरूरत थी। उन्होंने गुजरात की एक दूध कंपनी से संपर्क किया। उन्हें कंपनी के मैनेजर राकेश कुमार का नंबर मिला। फोन पर दूध के रेट तय किए। आरोप है आरोपित ने पीड़ित का भरोसा जीतने के लिए कंपनी का जीएसटी नंबर व एक चेक की फोटो भेजी और एडवांस के रूप में दस लाख रुपये मांगे। पीड़ित ने बैंक के जरिये आरोपित के द्वारा उपलब्ध करवाए गए बैंक खाते में गत 30 जून को दस लाख रुपये भेज दिए। आरोपित ने दावा किया कि कुछ दिनों में दूध का टैंकर गुजरात से उनके पास पहुंच जाएगा। जब टैंकर नहीं आया तो पीड़ित ने उसे फोन किया तो वह बहाने बनाने लगा। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने भजनपुरा थाने में जाकर लिखित शिकायत दी। अब जाकर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

संक्षिप्त समाचार

कश्यप समाज के लिए बनाई जाएगी धर्मशाला

बल्लभगढ़, (एजेंसी)। सेक्टर-3 स्थित जाट धर्मशाला में कश्यप समाज का विराट सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मूलचंद शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में कश्यप सेवा समिति के चेयरमैन केसी कश्यप ने समाज को शिक्षित संगठित और ऊर्जावान रहने की सलाह दी। वहीं, विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि कश्यप समाज के लिए जल्द ही एक धर्मशाला बनाने की योजना बनाई जाएगी। मंजूरी मिलने के बाद कार्य शुरू कर दिया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रधान दीपक कश्यप, पूर्व प्रधान सुशील कश्यप, राज सिंह कश्यप तीरथ कश्यप, सुदेश कश्यप व उनकी टीम की ओर से आयोजित किया गया।

जोधपुर और अलवर के लिए चलेगी रोडवेज बस मुख्यालय को भेजी गई डिमांड, अनुमति मिलने पर चलाई जाएगी

बल्लभगढ़, (एजेंसी)। बल्लभगढ़ बस डिपो से जल्द ही अलवर और जोधपुर के लिए रोडवेज बस सेवा संचालन शुरू किया जाएगा। इसको लेकर मुख्यालय के पास अनुमति के लिए पत्र भेज चुका है। अनुमति मिलने के बाद बस का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।बल्लभगढ़ बस डिपो से हर रोज करीब 168 बसें विभिन्न रूटों पर चलाई जाती हैं। इनमें धार्मिक स्थानों के साथ-साथ विभिन्न जिलों में बसों का संचालन किया जाता है। अब रोडवेज बस डिपो की ओर से अलवर और जोधपुर के लिए बस का संचालन किया जाएगा। इसको लेकर मुख्यालय के पास अनुमति के लिए पत्र भेज चुका है। अनुमति मिलने के बाद रोडवेज विभाग की ओर से बस का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। राजस्थान में बसे जोधपुर और अलवर दोनों ऐतिहासिक शहर हैं। जोधपुर मेहरानगढ़ किले और उम्मेद भवन पैलेस के लिए जाना जाता है। जबकि अलवर में बाला किला, सिटी पैलेस और मूसी महारानी की छतरी जैसे कई ऐतिहासिक स्थल हैं। इन स्थानों पर बस सेवा शुरू होने के बाद यात्रियों को अपनी संस्कृति से जुड़ने का मौका मिलेगा।

श्रीराम प्रॉपर्टी इलेवन ने क्रजी क्लब को हराया

पांच विकेट से जीता फाइनल, नीतेस भड़ाना रहे मैन ऑफ द मैच

फरीदाबाद। पाली स्थित रविंदर फागना क्रिकेट भूमि मैदान पर सोमवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में श्रीराम प्रॉपर्टी इलेवन ने क्रेजी क्रिकेट क्लब को हरा दिया। इसके साथ ही श्रीराम क्रिकेट टीम ने मिक्स कॉर्पोरेट डे कप टूर्नामेंट अपने नाम किया। श्रीराम प्रॉपर्टी इलेवन ने पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। नीतेश भड़ाना को मैन ऑफ द मैच चुना गया।20 ओवर के इस मुकाबले में क्रेजी क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट खोकर 168 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए सचिन अहलावत ने सर्वाधिक 50 और यश चौहान ने 35 रन की पारी खेली। वहीं, श्रीराम की ओर से गुलशन यादव ने चार विकेट झटके। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीराम की टीम ने महज 18.3 ओवर में 172 रन बनाकर पांच विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए नितेश भड़ाना ने महज 32 गेंदों में 63 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, राम ललित ने 29 रन बनाए।

झगड़े के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। जमीन के विवाद को लेकर हुए झगड़े में अपराध जांच शाखा पुलिस ने ग्रीन फील्ड कॉलोनी निवासी शीशपाल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शीशपाल का शिकायतकर्ता के साथ जमीनी विवाद चल रहा था। इसके चलते उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सात फरवरी को शिकायतकर्ता और उसके पिता पर हमला कर दिया था। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ग्रीनफील्ड कालोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया था उनकी कटन पहाड़ी में जमीन है। शीशपाल और सेलक नामक व्यक्ति के साथ उनका विवाद चल रहा था।

क्रिकेटर से मारपीट मामले में पांच के खिलाफ मुकदमा

फरीदाबाद। झारखंड की अंडर-19 क्रिकेट टीम के खिलाड़ी और क्रिकेट कोच पर हमला करने के मामले में सारन थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि भरत, उसके भाई, साधी, पवन, मांगे और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पर्वतीय कॉलोनी निवासी आशुपाल ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि अमित झारखंड अंडर-19 क्रिकेट से अहम खिलाड़ी है। इसके अलावा वह सेक्टर-56 स्थित क्रिकेट अकादमी में खिलाड़ियों को कोचिंग भी देता है। बीते शुक्रवार रात करीब 10:00 बजे वह अकादमी में रात्रि मैच खत्म करवाकर अपने घर आ रहे थे। जब वे अपने घर के नजदीक पहुंचे तो गली के नुक्कड़ पर बीच रास्ते में खड़े थे। उन्होंने उपरोक्त आरोपियों से रास्ता छोड़कर साइड में खड़े होने के लिए बोल दिया था। इसी बात को लेकर वे रंजिश रखने लगे थे। इसी को लेकर आरोपियों ने किक्रेट कोच पर हमला कर दिया था। आरोपियों में से एक पवन ने कोच के सिर पर डंडा मार दिया था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है।

बड़खल में पार्कों और सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ेगी

फरीदाबाद। नगर निगम प्रशासन बड़खल विधानसभा क्षेत्र को हराभरा बनाएगा। इसे लेकर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। योजना के तहत सड़कों और पार्कों में कई किस्मों के पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए 98 लाख 71 हजार रुपये के बजट को मंजूरी दी गई है। बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एनआईटी एक-तीन, पांच, गांधी कॉलोनी, सेक्टर-21, 45, 48 आदि में हरियाली की काफी कमी है। हर साल प्रदूषण के मामले में फरीदाबाद देश में शिखर पर रहता है। खासकर सर्दियों में लोगों को दमघोंटू हवा में सांस लेनी पड़ती है। निगम ने प्रथम चरण में बड़खल विधानसभा हरियाली बढ़ाने की तैयारी की है।पौधरोपण से न केवल क्षेत्र का सौंदर्य बढ़ेगा बल्कि प्रदूषण में भी कमी आएगी। लोगों को स्वच्छ हवा और बेहतर वातावरण मिलेगा। इससे शहर के तापमान में भी कमी आने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार यह योजना शहर को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। पर्यावरण प्रेमियों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यदि निगम समय पर योजना को पूरा करता है और पौधों की देखभाल पर ध्यान देता है, तो आने वाले वर्षों में बड़खल क्षेत्र सबसे सुंदर इलाकों में शामिल हो सकता है। एक साल में पूरा होगा काम नगर निगम की ओर से पौधरोपण का काम एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी भी ठेकेदार को एक साल तक सौंपी जाएगी, जिससे लगाए गए पौधे सुरक्षित और हरे-भरे बने रहें। निगम का उद्देश्य है कि बड़खल क्षेत्र की सड़कों, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर हरियाली बढ़ें, जिससे कि प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिल सके। बड़खल विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के किनारे और पार्कों में पौधरोपण अभियान चलाकर हरियाली बढ़ाई जाएगी।

झगड़े में दुकान की सीढ़ियों से गिरकर युवक की मौत

फरीदाबाद। एनआईटी एक बाजार में जूतों की दुकान पर काम करने वाले युवक की अपने साथ काम करने वाले कर्मचारी के साथ हुए झगड़े में वह दुकान की सीढ़ियों से नीचे बेसमेंट में गिर गया, इससे उसकी मौत हो गई। कोतवाली थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक, एनआईटी-दो निवासी केवल किशन एनआईटी एक मार्केट में जूतों की दुकान में काम करता था।

जापान में गूंजा गीता का शाश्वत संदेश

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लिया महोत्सव में हिस्सा

गीता का संदेश सम्पूर्ण मानव जाति का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ ङ्क नायब सिंह सैनी

नईदिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में भगवान श्री कृ?ण के श्रीमुख से निकले गीता के संदेश को विश्व पटल पर स्थापित करने के प्रयासों को आज एक नई ऊंचाई मिली, जब जापान की पवित्र धरा पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर भारत की सनातन संस्कृति और अध्यात्म का संदेश विश्व तक पहुंचाया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की कला है। इसमें निहित कर्मयोग, सत्य, कर्तव्य और आत्मबल के संदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने हजारों वर्ष पूर्व थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य गीता के सार्वभौमिक सिद्धांतों को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाना है, ताकि मानवता को शांति, सद्भाव और सहयोग का मार्ग मिल सके।

उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत के विदेश मंत्रालय के प्रयास से जापान की धरती पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर भगवान श्रीकृष्ण जी ने 5162 वर्ष पहले गीता का अमर संदेश दिया था। उस संदेश के प्रसार और गीता में श्रद्धा व्यक्त करने के लिए हर साल कुरुक्षेत्र में अनेक श्रद्धालु गीता जयंती के अवसर पर एकत्र होते आए हैं।

उन्होंने कहा कि अब अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भारत से बाहर अनेक देशों में मनाया गया है। यह मॉरीशस, लंदन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, यू.के. और इंडोनेशिया में मनाया जा चुका है। इसी श्रृंखला में अब विदेश मंत्रालय द्वारा 40 देशों के भारतीय दूतावास में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

जापान और भारत के संबंध सदियों पुराने

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और भारत के संबंध सदियों पुराने हैं। छठी शताब्दी में जापान में बौद्ध धर्म का आगमन भारत से ही हुआ था। तभी से भारतीय और जापानी लोग साझी संस्कृति में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि गीता एक ऐसा अलौकिक प्रकाश पुंज है, जो काल, देश और सीमाओं से परे है। यह ज्ञान भगवान श्रीकृष्ण जी ने भले ही भारत भूमि पर दिया है, लेकिन यह पूरे संसार के लिए है। यह किसी एक धर्म का ग्रंथ नहीं है। यह सम्पूर्ण मानव जाति का मार्गदर्शन करने वाला ग्रंथ है। दुनिया के बड़े-बड़े विचारक और दार्शनिक गीता में अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढ लेते हैं।

21वीं सदी की सभी समस्याओं का हल श्रीमद् भगवद् गीता में निहित

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन प्रबंधन की दृष्टि से श्रीमद् भगवद् गीता विश्व का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है। यही नहीं, गीता में विज्ञान, प्रबंधन, चिकित्सा आदि क्षेत्रों के विद्वानों को भी अपने-अपने क्षेत्र के लिए मार्गदर्शन मिला है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की सभी समस्याओं का हल श्रीमद् भगवद् गीता में निहित है। गीता संदेश को जीवन में अंगीकार करने से विश्व में समरसता की स्थापना संभव है। गीता को ध्यान से पढ़ा जाए तो शुरु से लेकर अन्त तक सम्पूर्ण गीता का यही सार निकलता है कि मनुष्य को अपना कर्त्तव्य सही ढंग से निभाना चाहिए, न्यायपूर्ण कर्म करना चाहिए और सामाजिक व्यवस्थाओं का पालन करना चाहिए।

श्री सैनी ने कहा कि जापान में गीता महोत्सव का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर सीमाओं से परे जाकर विश्व में आध्यात्मिक एकता और वैश्विक शांति का संदेश दे रही है। भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं और जापान की भूमि पर गूंजा उनका शाश्वत संदेश, इस सांस्कृतिक समन्वय का जीवंत प्रतीक बन गया। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल, विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिमाने प्रीफेक्चर के गवर्नर तात्सुया मारुयामा से की मुलाकात

दोनों क्षेत्रों के उद्यमों के बीच प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान, नवाचार और संयुक्त उद्यमों के नए अवसर तलाशने पर हुई चर्चा

नईदिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने जापान दौरे के दौरान आज शिमाने प्रीफेक्चर के गवर्नर तात्सुया मारुयामा से ?मुलाकात की। इस दौरान दोनों क्षेत्रों के उद्यमों के बीच प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान, नवाचार और संयुक्त उद्यमों के नए अवसर तलाशने पर विस्तार से चर्चा हुई।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने टोक्यो में आयोजित हरियाणा-शिमाने प्रीफेक्चर रोड शो में भी हिस्सा लिया।

यहां उपस्थित उद्योगपतियो और निवेशकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान के साथ हमारे संबंध हजारों वर्ष पुराने हैं। ये संबंध ऐतिहासिक और भावानात्मक हैं। जिस प्रकार शिमाने की अपनी चिरस्थायी परंपराएं हैं, उसी प्रकार हरियाणा भी भारतीय सभ्यता के सबसे प्राचीन और पूजनीय स्थलों में से एक है। हरियाणा में ही धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की वह पावन भूमि है, जहां सदियों पहले भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता का दिव्य संदेश दिया था। इसमें कर्तव्य, धर्म और ज्ञान का सार निहित है।

उन्होंने कहा कि हमारा आपसी संबंध एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी का है। इसे गहरे विश्वास, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और अटूट उद्यम द्वारा बल मिला है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जापान की यात्रा की है। उसके बाद, उद्योगपतियों और निवेशकों ने अगले एक दशक में भारत में 10 ट्रिलियन जापानी येन का निवेश करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के इको सिस्टम को देखते हुए राज्य में भी अधिक से अधिक निवेश करें।

हरियाणा लंबे समय से रहा है भारत में जापान का सबसे भरोसेमंद औद्योगिक केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमाने और हरियाणा कई मायनों में एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों ही गुणवत्ता, परिशुद्धता और नवाचार को अपनाते हुए एक गौरवशाली विरासत को संजोए हुए हैं।

शिमाने और हरियाणा में सुदृढ़ औद्योगिक पार्क और स्मार्ट बुनियादी ढांचे से लेकर हरित ऊर्जा और लॉजिस्टिक सुविधाएं विद्यमान हैं। हरियाणा लंबे समय से भारत में जापान का सबसे भरोसेमंद औद्योगिक केंद्र रहा है। इसकी नींव दशकों पहले तब पड़ी, जब मारुति सुजूकी ने 1980 के दशक में अपना पहला मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हरियाणा में स्थापित किया। इसने भारत में मोबिलिटी क्षेत्र में क्रांति ला दी और एक विश्व स्तरीय औद्योगिक इकोसिस्टम को खड़ा किया।

उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में अनेक जापानी कंपनियां स्थित हैं। इनकी संख्या भारत के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। यह संस्कृति, उद्यम और नवाचार के लिए होम अवे फॉर्म होम के केन्द्र के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तीन ओर पड़ता है। इस क्षेत्र में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे और एक एकीकृत बहु-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब जैसे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे अद्वितीय कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। इससे देश के बाज़ारों तक उत्पादों की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है।

श्री सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने एक निवेशक अनुकूल नीति लागू की है। इसमें उन सभी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिनसे हरियाणा-शिमाने साझेदारी को बल मिलेगा। इसके एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में इलेक्ट्रॉनिक्स और कंपोनेंट्स शामिल हैं, ऑटोमोटिव सेक्टर में इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी भंडारण, और ग्रीन हाइड्रोजन पर विशेष जोर दिया गया है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों और उद्योग में हरियाणा के युवा और कुशल कार्यबल ए.आई., आई.ओ.टी, और रोबोटिक्स में शिमाने की नवाचार क्षमताओं के साथ सहयोग करेंगे।

निवेशकों, उद्योगपतियों, नवाचार कर्ताओं को हरियाणा में निवेश करने के लिए किया आमंत्रित

मुख्यमंत्री ने निवेशकों, उद्योगपतियों, नवाचार कर्ताओं को हरियाणा में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि आप हमारी जीवंत संस्कृति का अनुभव करें, हमारे औद्योगिक परिदृश्य का अन्वेषण करें और हमारे प्रगतिशील लोगों के साथ जुड़ें, जो एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में आपके साथ काम करने के लिए तैयार हैं। आइए, हम सब मिलकर शिमाने और हरियाणा के बीच पहले से ही मज़बूत बंधन को और मजबूत करें।

तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो समेत छह गाड़ियों में टक्कर मारी

फरीदाबाद। सेक्टर- 21सी की ट्रैफिक लाइट पर एक डंपर ने दो ऑटो समेत छह कारों में टक्कर मार दी। इस हादसे में कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। एक ऑटो चालक समेत तीन महिलाओं को चोट लगी, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। यह हादसा रविवार सुबह का है। सेक्टर-21सी की ट्रैफिक लाइट कह लाल बत्ती हो रही थी । इस वजह से वहां पर वाहन रुके हुए थे। इसी दौरान पीछे से एक डंपर आया। डंपर एक के बाद एक कई गाड़ियों को साइड से टक्कर मारता हुआ चला गया। इससे वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। लोगों ने गाड़ियों से उतर कर देखा तो उनके शीशे टूटे हुए थे। एक ऑटो चालक और उसमें सवार दो-तीन महिलाओं को चोट लग गई। ऑटो चालक पूरण ने बताया कि अचानक ही डंपर चालक ने टक्कर मार दी थी। इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। अनखीर पुलिस चौकी ने डंपर को कब्जे में ले लिया है। बाकी वाहन चालकों ने बताया कि पीछे से आकर चालक डंपर वाहनों से टकराता हुआ निकल गया था। एक कार चालक ने बताया कि डंपर मालिक का व्यवहार भी उचित नहीं था। उसका कहना था कि सड़क पर ऐसा होता रहता है। ऑटो चालक ने बताया कि डंपर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस रोड पर डंपर चालकों का आतंक है। कई बार यहां डंपरों की वजह से हादसे होते रहते हैं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

युवती से दुष्कर्म के आरोप में मकान मालिक पर केस

बल्लभगढ़। एक युवती को चाकू दिखाकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में छांयसा थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। मामला दो महीने पहले का है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता किराएदार है, आरोप है कि मकान मालिक ने उससे हैवानियत की। जब वह गर्भवती हुई तो इसका पता चलने पर आरोपी मकान मालिक अब उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित युवती ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसे उसकी एक सहेली ने छांयसा थाना क्षेत्र के एक गांव में किसी युवक के पास किराए का कमरा दिलवाया था। पीड़ित युवती का आरोप है कि जहां दो माह पहले आरोपी युवक ने उसके साथ चाकू की नोक पर दुष्कर्म किया। इससे वह गर्भवती हो गई। अब वह युवक उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर आरोपी मकान मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए आसपास पूछताछ की जा रही है।

मेले में स्वदेशी व घर के स्वाद से भरपूर अचार और मुरब्बा बने लोगों की पसंद

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सूरजकुंड में आत्मनिर्भर भारत-स्वदेशी मेला थीम पर आयोजित दीपावली मेला हस्तशिल्पियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उनके हुनर को तराश रहा है। दीपावली मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत व वोकल फॉर लोकल अभियान को भी मजबूती प्रदान कर रहा है। दीपावली मेले में हर स्टॉल पर स्वदेशी उत्पादों व सामान की झलक साथ देखी जा सकती है जो आत्मनिर्भर भारत अभियान की मुख्य कड़ी है। दीपावली मेले में स्वदेशी व घर के स्वाद से भरपूर अचार और मुरब्बा लोगों की पसंद बने हुए हैं। गुरूद्रोण की नगरी गुरूग्राम से सूरजकुंड मेले में श्री कृष्णा अचार व मुरब्बा स्टॉल पर हाथों से निर्मित विभिन्न प्रकार के आचार, मुरब्बा, चटनी, शरबत, जूस, जेम, शहद आदि उपलब्ध हैं। स्टॉल संचालक का कहना है कि इन अचार-मुरब्बों को घर के स्वाद और परंपरा को बनाए रखते हुए तैयार किया गया है। आगंतुक यहां से न केवल स्वाद चख रहे हैं, बल्कि पैकिंग कराकर अपने साथ भी ले जा रहे हैं। दीपावली मेले में स्टॉल संभाल रहे अजय कुमार ने बताया कि आचार का काम उनके पिता गोवर्धन यादव व माता कृष्णा यादव ने सन 1988 में शुरू किया था जो आचार के क्षेत्र में आज श्री कृष्णा पिक्लस के नाम से एक प्रसिद्ध नाम बन गया है। उन्होंने बताया कि उनका बड़ा भाई जितेंद्र कुमार और वह स्वयं इस कारोबार को संभाल रहे हैं। श्री कृष्णा पिकल्स स्टॉल पर विभिन्न प्रकार की वैरायटी के अचार, मुरब्बा, जैम्स आदि उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि वे देश-प्रदेश के बड़े-बड़े मेलों में श्री कृष्णा पिकल्स की स्टॉल लगाते हैं। अचार सहित अन्य उत्पाद बनाने का काम हाथों से होता है और अचार में प्रयोग होने वाले मसालों की पिसाई का कार्य भी वे स्वयं ही करते हैं। श्री कृष्णा पिकल्स को कई प्रकार के पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। यदि आप भी आचार, मुरब्बा आदि के शौकीन हैं तो चले आएं सूरजकुंड दीपावली मेला में।

कादीपुर स्कूल में स्वच्छता का शंखनाद, बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

गुरुग्राम। गुरुग्राम नगर निगम ने सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कादीपुर में स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि निगम के संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जब हम अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखते हैं, तभी हमारा शहर स्मार्ट बनता है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को पूरी तरह समाप्त करने और पुन- प्रयोग योग्य वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। विशिष्ट अतिथि वार्ड नंबर 10 के पार्षद महावीर यादव ने विद्यार्थियों को घर में दो कूड़ेदान रखने (गीले और सूखे कचरे के लिए) की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कचरे का पृथक्करण घर से शुरू होगा, तभी शहर स्वच्छ बन पाएगा। स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर कुलदीप हिंदुस्तानी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को स्वच्छता शपथ दिलाई और उन्हें अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ दूसरों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। बच्चे हैं परिवर्तन के असली दूत कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता, प्लास्टिक उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया। बुलंद आवाज़ वेलफेयर सोसाइटी की उपाध्यक्ष प्रिंका यादव ने कहा कि बच्चे समाज में परिवर्तन के असली दूत हैं। उन्होंने जोर दिया कि अगर विद्यार्थी स्वच्छता की आदत डाल लें, तो पूरा परिवार और समाज स्वत: ही स्वच्छता के मार्ग पर चल पड़ेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रिंसिपल राकेश शर्मा, सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और निगम की स्वच्छता टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बसई में भी चला स्वच्छता अभियान कादीपुर के अलावा, गांव बसई स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भी आईईसी एक्सपर्ट प्रियंका यादव के नेतृत्व में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वच्छता पखवाड़ा के जिला संयोजक हैप्पी शर्मा, आरडब्ल्यूए प्रधान सुनीता कटारिया सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

तनावग्रस्त स्थिति में लिया गया निर्णय तनाव ही पैदा करता है: जस्टिस शशिकांत

गुरुग्राम। संतुष्टता ही सबसे बड़ा धन है। तनावग्रस्त स्थिति में लिया गया निर्णय तनाव ही पैदा करता है। ओडिया उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शशिकांत मिश्रा ने सोमवार को गुरुग्राम में न्यायविद सम्मेलन के समापन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह बात कही। राजयोग चित की वृत्तियों को नियंत्रित करता है, जिससे मन तनावमुक्त होता है। नेतृत्व का वास्तविक अर्थ तनावमुक्त नेतृत्व से है। असली लीडर वो है, जिसका लोग अनुसरण करें। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के प्रकाशमणी सभागार में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन पर न्यायाधीश शशिकांत मिश्रा ने कहा कि गीता में भी कहा गया है कि महाजन जो करते हैं, सामान्य मनुष्य उसे फोलो करते हैं। चेतना की जागृति ही नेतृत्व क्षमता को जन्म देती है। बिना भय और पक्षपात का निर्णय तभी होता है, जब हम अंतर आत्मा की आवाज सुनते हैं। नेतृत्व क्षमता की असली शुरुआत परिवार से होती है, क्योंकि बच्चे के लिए उसके मात-पिता ही लीडर होते हैं। दिल्ली बार काउंसिल के चेयरमैन कैलाश चंद्र मित्तल ने कहा कि कानून बनने के बाद भी आज अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। जिसका मूल कारण नैतिक और चारित्रिक पतन है। आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही सामाजिक बदलाव संभव है। दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार यादव ने कहा कि न्याय में समदृष्टि का भाव जरूरी है। निरंतर योग और आध्यात्मिक चेतना के विकास से ही निष्पक्ष और यथार्थ निर्णय लेने में मदद मिलती है। बीके निशा ने राजयोग के अभ्यास से सबको गहरी शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम के अंत में न्यायिक प्रभाग के संयोजक बीके नथमल ने अपने शब्दों से सबका आभार किया। मंच संचालन संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू से पधारे अधिवक्ता बीके प्रदीप ने किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में सत्रों के माध्यम से राजयोग और ईश्वरीय ज्ञान की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आए लोगों ने अपने अनुभव में कहा कि यहां आते ही उनको एक गहरी शांति और शक्ति का अनुभव हुआ।

कारोबारी व परिवार को बंधक बनाकर लाखों की नकदी व जेवर लूटे

पलवल। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से सटे धौलागढ़ गांव में देर रात को हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने एक कारोबारी के घर में घुसकर पति-पत्नी और बेटे को बंधक बना लिया और करीब 50 लाख रुपये की डकैती को अंजाम दिया। लुटेरे घर से 22 लाख रुपये नकद, 25 से 30 तोले सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, वाहन की चाबियां और अन्य जरूरी दस्तावेज लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।धौलागढ़ निवासी ओमप्रकाश शर्मा, जो टाइल बनाने का कारोबार करते हैं और विश्व हिंदू परिषद के हरियाणा प्रांत सेवा प्रमुख भी हैं, ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि देर रात करीब एक बजे वह अपनी पत्नी हरवती और बेटे यश के साथ अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। इसी दौरान चार नकाबपोश बदमाश दीवार फांदकर घर में घुस आए। दो बदमाशों के पास पिस्तौल, जबकि दो के पास चाकू थे। उन्होंने तीनों पर हमला कर उन्हें काबू में कर लिया। इसके बाद परिवार के हाथ-पैर बांधकर मुंह पर टेप लगा दी ताकि कोई शोर न मचा सके। बदमाशों ने अलमारी की चाबी छीन ली ।

रोहित के बाद अब सूर्या के कप्तानी पर भी आ सकता है संकट? इस दिग्गज ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 26 वर्षीय शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी सौंपी गई है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इस फैसले को 'मास्टरस्ट्रोक' करार देते हुए गिल को एक 'नैचुरल लीडर' बताया है, जो जिम्मेदारी मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाते हैं। गिल की पहली चुनौती 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

BCCI का बड़ा फैसला: रोहित से छिनी कप्तानी

BCCI के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खुद रोहित शर्मा को सूचित किया कि बोर्ड ने उन्हें वनडे कप्तानी से मुक्त करने का निर्णय लिया है। अगरकर ने कहा, 'हमने रोहित से बात की और उन्हें बताया कि शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।' गिल अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व करेंगे।

मोंटी पनेसर ने की तारीफ

मोंटी पनेसर ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस फैसले की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार निर्णय है। गिल ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की मौजूदगी में उन्हें कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है, क्योंकि रोहित उन्हें मार्गदर्शन दे सकते हैं। हमने इंग्लैंड में देखा है कि गिल एक नैचुरल लीडर हैं।'

पनेसर ने आगे कहा, 'जब आप गिल को जिम्मेदारी देते हैं, तो उनका सर्वश्रेष्ठ रूप सामने आता है। मुझे यकीन है कि इस वनडे सीरीज में हम उनका बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर भविष्य में उन्हें टी20आई कप्तानी भी सौंपी जाए, क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी मिलने पर और निखरते हैं।'

गिल का फोकस: 2027 विश्व कप

शुभमन गिल ने कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷मेरे लिए यह एक बड़ा सम्मान है। मेरा पूरा ध्यान भविष्य और 2027 विश्व कप पर है। हम अगले कुछ सालों में लगभग 20 वनडे मैच खेलेंगे, और हमारा लक्ष्य एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है।÷ गिल ने यह भी बताया कि वह रोहित शर्मा और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ उठाएंगे।

क्रिकेट जगत में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। जहां कुछ फैन्स और पूर्व खिलाड़ी इस बदलाव से हैरान हैं, वहीं कई लोग इसे भविष्य की रणनीति का

हिस्सा मान रहे हैं। गिल की युवा ऊर्जा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला भारत के लिए नई दिशा तय कर सकता है।

गिल का रिकॉर्ड

26 साल के शुभमन गिल ने अब तक 44 वनडे मैचों में 2271 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.37 और स्ट्राइक रेट 103.46 है, जो उनकी निरंतरता और आक्रामकता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्या गिल इस नई जिम्मेदारी के साथ भारतीय वनडे क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसके लिए प्रशंसकों को 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीरीज का इंतजार है। अधिक अपडेट्स के लिए बने रहें।

टेनिस प्रीमियर लीग: बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए के सातवें सत्र में पेश करेंगे चुनौती

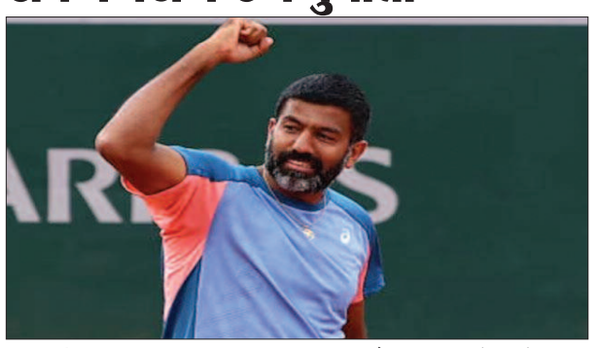

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे। लीग में बोस्निया एवं हर्जेगोविना के दामिर जुम्हुर (पूर्व विश्व नंबर 23, वर्तमान नंबर 67) यश मुंबई ईगल्स और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी (विश्व नंबर 58) जीएस दिल्ली एसेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी डालिबोर स्वर्सिना (विश्व नंबर 91) चेन्नई स्मैशर्स की टीम का हिस्सा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, 'इस क्षमता वाले खिलाड़ियों को लीग के साथ जोड़ना प्रतिस्पर्धा के स्तर को ही नहीं बढ़ायेगा बल्कि भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।'

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंका प्रीमियर लीग (LPL) के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा।' इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी प्रतिक्रिया, आने वाली खबरें और भी बुरी हो सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज़ हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को 'आवश्यक कदम' बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

'2027 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है यह बदलाव'

गावस्कर ने कहा कि यह फैसला भारत की 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखकर लिया गया है। 'अगर हम अगले दो सालों का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखें, तो भारत बहुत कम वनडे खेलेगा। ऐसे में, केवल वनडे खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मैच फिट रहना मुश्किल है,' गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा।

'रोहित भी समझते हैं टीम की प्राथमिकता'

गावस्कर के अनुसार, रोहित शर्मा व्यक्तिगत तौर पर इस फैसले से नाराज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'टीम पहले आती है। रोहित ने देश के लिए बहुत कुछ किया है, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जिताया। लेकिन अगर हमें दो साल आगे सोचना है, तो एक युवा कप्तान को तैयार करना ही समझदारी है, और रोहित इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।'

'आने वाले महीनों में और बुरी खबरें आ सकती हैं'

गावस्कर ने आगे कहा कि यह बदलाव भारतीय टीम प्रबंधन की 'नई दिशा' की शुरुआत है और भविष्य में और बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी यह तय नहीं कर पा रहा कि वह अगले दो साल तक वनडे खेलेगा या नहीं, तो उसके लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो जाएगा। आने वाले महीनों में कुछ और कड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं।'

'रोहित को अब घरेलू क्रिकेट खेलना होगा'

गावस्कर ने यह भी सुझाव दिया कि अगर रोहित वनडे टीम में वापसी चाहते हैं, तो उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफी जैसी घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेना चाहिए ताकि मैच फिटनेस बनी रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ पाँच-सात वनडे से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता जा सकता, इसके लिए लगातार अभ्यास जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब, खाने में समस्या नहीं : राजीव शुक्ला

कानपुर । भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते। उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी। वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है। शुक्ला ने कहा, 'अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते। यह कुछ और ही मामला है। उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं। संक्रमण कहीं और से हुआ होगा।'

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी : तेवतिया

मुम्बई। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिंह धोनी को देखकर सीखा है। तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं। वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली। इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये। तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं। वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया। इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है। इससे मुझे काफी लाभ हुआ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी। तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए।' गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं,

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता

जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

-12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा।स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये। 89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले।वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

सोफी डिवाइन ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, महिला विश्व कप में ये कमाल करने वाली 10वीं खिलाड़ी बनीं

इंदौर (मध्य प्रदेश)। न्यूजीलैंड के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने आईसीसी महिला विश्व कप के इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों में जगह बनाकर एक यादगार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के पहले पारी में 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर के दौरान डिवाइन ने 98 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 86.73 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए। उन्होंने अब तक 27 विश्व कप मैचों और 24 पारियों में 37.65 की औसत और 94 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 866 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन है। वह विश्व कप इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड की दिग्गज डेबी हॉकले 45 मैचों और 43 पारियों में 42.88 की औसत से 1,501 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्द्धशतक और 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है, उसके बाद भारत की मिताली राज (38 मैचों में 36 पारियों में 47.17 की औसत से 1,328 रन, दो शतक और 11 अर्द्धशतक) और इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (36 मैचों और 35 पारियों में 43.30 की औसत से 1,299 रन, चार शतक और तीन अर्द्धशतक) का स्थान है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में एक साहसी और संघर्षपूर्ण शतक बनाने के बाद 36 वर्षीय डिवाइन 2025 के संस्करण में अब तक की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो पारियों में 98.50 की औसत से 197 रन बनाए हैं।

सफी बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे सीरीज से बाहर, सामी को मिली जगह

अबू धाबी । अफगानिस्तान के युवा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी कमर (एडक्टर) में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने सोमवार को यह जानकारी दी। सफी ने अफगानिस्तान के लिए एक टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा दो वनडे मैच भी खेले हैं। उनकी अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जिन्होंने अब तक एक वनडे खेला है, को रिजर्व पूल से अफगानिस्तान की मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज क्रमशः 8, 11 और 14 अक्टूबर को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। ACB ने अपने बयान में आगे कहा, 'टीम के फिजियो का मानना है कि वह इस बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। सलीम ACB के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तब तक अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल नहीं हो जाते।' शारजाह में बांग्लादेश से टी20आई श्रृंखला 3-0 से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए कुछ जीत हासिल करने के लिए वनडे श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। रविवार को दोनों टीमों के बीच अंतिम टी20आई में, पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजी गई अफगानिस्तान ने अपनी पूरी पारी के दौरान गति बनाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जब तक कि दरवेश रसूली (32) और मुजीब उर रहमान के देर से आए उछाल ने उन्हें निर्धारित 20 ओवरों में 143/9 तक नहीं पहुंचा दिया।

महिला विश्व कप: पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो -भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोड़ा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोड़ा-थोड़ा बेहतर हो सकते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया।

गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड़ ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजों को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिड़ेगा।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है। शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इच्छा रखती थी।

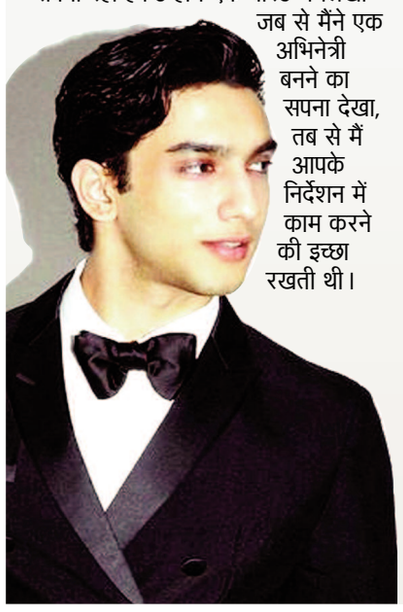

कांतारा चैप्टर 1 का हिस्सा होना सपने जैसा

रुक्मिणी वसंत साउथ में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में हैं। कोविड में आई कांतारा की सुपर सक्सेज के बाद अब इस फिल्म में रुक्मिणी एक न्यू एंट्री हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित ये एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी के कई पन्नों को खोल रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा ऋषभ सर पहले मेरी फिल्म 'सप्त सागरदाचे एलो' की तारीफ कर चुके थे और उनके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते थे। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इससे मुझे इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा। जब उन्होंने मुझसे फिल्म में शामिल होने को कहा, तो सच में ये सपना जैसा लग रहा था। जैसे-जैसे मैं कहानी और अपने किरदार को समझने लगी, मेरी उत्सुकता और बढ़ गई। थोड़ी घबराहट भी थी क्योंकि किरदार बड़ा था और कहानी में उसका महत्व काफी था, लेकिन ऋषभ सर का मुझ पर भरोसा देखकर मुझे आत्मविश्वास मिला।

फिल्म में अपने किरदार को निभाने के लिए आपने किस तरह तैयारी की?

ऐसी फिल्म में काम करते वक्त मुझे पूरी तरह संस्कृति में डूब जाना जरूरी लगा, क्योंकि 'कांतारा' सिर्फ कहानी नहीं है ...ये करावली क्षेत्र की परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। मेरे रोल के लिए, भूत-प्रेत और दैव पूजा को गहराई से समझना जरूरी था। लेखकों और ऋषभ सर ने इस प्रक्रिया में मेरी मदद की, सिर्फ रिवाज समझाने तक नहीं, बल्कि ये भी बताया कि ये समाज और लोगों की जिंदगी पर कैसे असर डालते हैं। पूरी फिल्म के दौरान अगर कोई चुनौती थी, तो वो शारीरिक कौशल की थी, जो मुझे अपने किरदार कनकावती को सही ढंग से जीवित दिखाने के लिए सीखनी पड़ी।

सेट पर आपका पहला दिन कैसा था?

पहला दिन हमेशा ही थोड़ी उत्सुकता और थोड़ी घबराहट से भरा होता है। नया सेट, नया माहौल, सब कुछ नया। जब मैं 'कांतारा चैप्टर 1' के सेट पर पहुंची तो टीम पहले से एक महीने से शूट कर रही थी। मुझे उनकी गति में अपना स्थान ढूंढना पड़ा। शुक्र है कि शुरू में कुछ आसान सीन थे। इनमें ज्यादा डायलॉग नहीं थे, जिससे मुझे किरदार की बॉडी लैंग्वेज, नजर और अंदाज पर ध्यान देने का समय मिला। जब डायलॉग वाले सीन आए तो आवाज और दूसरे छोटे-छोटे पैमानों पर काम करना शुरू किया।

'बघीरा', 'मद्रासी', 'कांतारा चैप्टर 1' और आगे 'टॉक्सिक'। पिछला साल आपके लिए एक वरदान जैसा रहा। इस दौर को आप अपने करियर में कैसे देखती हैं?

ये साल मेरे लिए बेहद खास रहा। पिछले अक्तूबर से लेकर अब तक मुझे जो भी फिल्में मिली सभी एक दूसरे से काफी अलग थीं। मेरे लिए यह पूरा दौर प्रयोग और खुद को चुनौती देने वाला रहा है। इस दौरान मैंने दो काम किए, अपनी ताकत और कमजोरियों को जाना और खुद को बेहतर बनाया।

गुलशन देवैया और ऋषभ शेट्टी ने सेट पर आपका कैसे साथ दिया?

ऋषभ सर शुरू से ही बहुत जुड़े रहे। उन्होंने लेखकों की कार्यशाला में भी भाग लिया, जिससे मुझे समझ आया कि एक युवरानी की शारीरिक भाषा कैसी होती है - वह कैसे चलती है, कैसे अपने आप को पेश करती है, उसके बोलने का अंदाज कैसा होना चाहिए? गुलशन सर के साथ काम करना भी बहुत प्रेरणादायक था। मैं हमेशा उनके काम को सराहती रही हूं, चाहे वो 'द हॉन्टिंग' हो या 'मर्द को दर्द नहीं होता'। मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि वह कन्नड़ बेहद खूबसूरती से बोलते हैं। भले ही मैं यह जानती थी कि वह कूर्ग से हैं पर मुझे नहीं पता था कि वह दक्षिण कर्नाटक के इस खास डायलेक्ट में इतने सहज हैं।

एक्शन फिल्म से हॉलीवुड में डेब्यू करेंगे टाइगर श्रॉफ!

एक्टर टाइगर श्रॉफ जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। एक्टर की डेब्यू फिल्म एक ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में वो हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सिल्वेस्टर स्टेलोन और थाई मार्शल आर्ट स्टार टोनी जा के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन एमजीएम एक महत्वाकांक्षी पैन-वर्ल्ड प्रोजेक्ट बनाने पर बातचीत कर रहा है, जिसमें पहली बार तीन एक्शन स्टार्स एक साथ दिखेंगे। रिपोर्ट में सोर्स को कोट करते हुए कहा गया कि यह एक ग्लोबल प्रोजेक्ट है और इसे कई भाषाओं में बनाने पर बात चल रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है और सूत्र का दावा है कि तीनों एक्टर ने इस प्रोजेक्ट में काम करने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा है कि टाइगर, सिल्वेस्टर और टोनी जा के साथ पहले राउंड की बातचीत हो गई है। फिल्म के नाम को लेकर डिस्कशन जारी है लेकिन कहा जा रहा है कि मूवी का नाम इंडियन ही होगा। टाइगर श्रॉफ अपने आइडियल सिल्वेस्टर स्टेलोन के साथ इस तरह के पैन-वर्ल्ड एक्शन प्रोजेक्ट में काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में टाइगर की फिल्म बागी-4 रिलीज हुई थी। बता दें कि साल 2017 में टाइगर ने कंफर्म किया था कि वे अपने आइडियल सिल्वेस्टर की क्लासिक फिल्म रेम्बो के हिंदी रीमेक में एक्ट करेंगे। हालांकि, बाद में वह फिल्म नहीं बनी। वहीं, सिल्वेस्टर साल 2009 में अक्षय कुमार और करीना कपूर की फिल्म कमबख्त इश्क में कैमियो रोल कर चुके हैं।

चैप्टर 2 के लिए तैयार हुईं रिया चक्रवर्ती, पांच वर्षों बाद अभिनेत्री को वापस मिला पासपोर्ट

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को लगभग पांच वर्षों के बाद उनका पासपोर्ट मिल गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े दस्तावेज वापस करने की इजाजत देते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया। सुशांत सिंह राजपूत के निधन मामले की जांच के चलते उनका पासपोर्ट जमा कर लिया गया था। पासपोर्ट मिलने पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है।

इंस्टाग्राम पर रिया चक्रवर्ती ने अपने कठिन वक्त और अनगिनत संघर्षों को याद करते हुए कहा कि इस दौरान धैर्य ही उनका एकमात्र पासपोर्ट था। अपने संदेश के साथ, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। उन्होंने लिखा पिछले पांच वर्षों से धैर्य ही मेरा एकमात्र पासपोर्ट था। अनगिनत संघर्ष। अनंत आशा। आज, मेरे हाथ में फिर से मेरा पासपोर्ट है। अध्याय 2 के लिए तैयार!

जून 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती सुर्खियों में थीं। उनके और सुशांत के बीच अफेयर की खबरें थीं। 8 सितंबर, 2020 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उन्हें सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में हिरासत में ले लिया था। हालांकि, उन्हें एनसीबी के पास अपना पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत मिल गई थी। ल्मों की बात करें तो, रिया आखिरी बार रूमी जाफरी की फिल्म चेहरे में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और अन्नू कपूर जैसे कलाकारों के साथ काम किया था।

नई जाना गाने ने मेरी पुरानी यादें कर दीं ताजा

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार नीरू बाजवा का नया गाना नई जाना रिलीज हो गया है। यह उनकी आने वाली फिल्म मधानियां का गीत है। इस गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इससे उनकी पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। नई जाना एक पंजाबी गीत है, जिसे मन्नत नूर ने गाया है। मनी औजला ने इसका संगीत दिया है। यह गाना आज के जमाने के म्यूजिक के साथ एक पुराने लोकगीत को पेश करता है। इस गाने में एक शादी का सीन दिखाई दे रहा है। इसमें नीरू बाजवा अपने डांस और खूबसूरती से इस गाने की रौनक बढ़ाती दिख रही हैं। यह गाना पंजाबी शादियों की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। गाने के बारे में बात करते हुए नीरू बाजवा ने कहा, 'नई जाना' गाने ने बचपन की शादियों में इसे सुनने की तमाम यादें ताजा कर दीं। मधानियां में इसे परफॉर्म करना बेहद सजीव और मजेदार अनुभव था, क्योंकि यह गाना शरारत, प्यार और हंसी का खूबसूरत मेल है। मैं उत्सुकता से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक भी इसे देखकर वही खुशी महसूस करें, जो हमें इसे फिल्माते वक्त मिली।

नीरू बाजवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने को शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने हार्ट की इमोजी भी लगाई है। वहीं सिंगर मन्नत नूर ने कहा, यह गाना पूरी तरह से पुरानी यादों को ताजा करता है। पंजाब में हर कोई 'नई जाना' गाने के बारे में जानता है, यह हमारी शादियों और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। जब मैंने इसे रिकॉर्ड किया तो मेरा ध्यान उस सार को बरकरार रखने के साथ-साथ आज के श्रोताओं के लिए एक ताजगी लाने पर भी था।

मेरा मुश्किल दौर स्कैम 2003 से मिली शोहरत के बाद शुरू हुआ

वेब सीरीज स्कैम 2003 में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर गगन देव रियार इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा में हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में आम तौर पर सफलता और शोहरत को मुश्किलों और संघर्ष अंत माना जाता है, पर एक्टर गगन देव रियार का अनुभव बिल्कुल अलग है। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 2003 में पेपर घोटाले के मास्टरमाइंड अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका से सुर्खियों में आने वाले एक्टर गगन देव रियार के मुताबिक, उनका सबसे मुश्किल दौर इस सीरीज से मिली सफलता और शोहरत के बाद शुरू हुआ है।

जितना सफल होता हूं, उतना कंफ्यूज होता हूं

करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में पूछने पर गगन कहते हैं, मेरा सबसे मुश्किल दौर इस वक्त चल रहा है, क्योंकि सफलता को लेकर लोगों का जो नजरिया होता है, जैसे लोग बोलते हैं कि आपने वो हासिल कर लिया, वहां पहुंच गए, तो मुझे समझ में नहीं आता है कि इसके बाद कहां जाना है। ये मेरी पर्सनल जद्दोजहद है। मैं जितना सफल होता जाता हूं, उतना ही कंफ्यूज होता जाता हूं कि आज मेरे पास वो सब है जो मुझे चाहिए था, जिसकी मैंने कल्पना की थी कि घर हो, काम हो, पैसा हो लेकिन वो मकसद कहीं खत्म हो गया है कि मुझे ये करना क्यों था। यह ऊहापोह स्कैम 2003 के बाद शुरू हुई है कि इस सफलता के बाद क्या? आप यहां से कहां जाएंगे?

बहरूपिया बनने में मजा आने लगा

महज 16 साल में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले गगन बताते हैं कि असल में एक्टर बनना उनके पापा का सपना था, जो उन्होंने पूरा किया। बकौल गगन, मैं 16 साल का था। मैंने दसवीं का एग्जाम पास किया था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं कि एक दिन पापा ने पूछा, एक्टर बनना चाहते हो? असल में पापा फिल्मों में हीरो बनना चाहते थे। वो बचपन में भागकर यहां आए थे, तो फिल्में हम बहुत देखते थे। शाहरुख खान, जैकी श्रॉफ मुझे भी बहुत पसंद थे, पापा के पूछने पर मैंने कहा-ठीक है। तब उन्होंने मुझे दो महीने का एक एक्टिंग का क्रैश कोर्स कराया, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। लगा कि यह मैं जिंदगी भर कर सकता हूं क्योंकि रोज कुछ नया करने को मिल रहा है। मैं हर रोज एक नया बंदा हूं। वो अलग-अलग रूप धरने में, बहरूपिया बनने में मुझे इतना मजा आने लग गया कि उस कोर्स में 20 बच्चे थे, जिसमें मैं सबसे छोटा था, मगर क्लास में फर्स्ट आया।

जादू की छड़ी जैसी है एक्टिंग

इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा बटोर रहे गगन आगे बताते हैं, फिर कॉलेज में जब मैं थिएटर से जुड़ा तो लगा कि एक्टिंग और थिएटर तो एक ही चीज है। मुझे उसमें इतना मजा आने लगा कि मैंने तय कर लिया कि यही करना है। हालांकि, मैं पढ़ाई में होशियार था। चाहता तो बहुत कुछ बन सकता था, मगर एक रूहानी अनुभव जो एक्टिंग में होता है कि आपने कुछ किया, जिससे किसी और को कुछ हुआ। मतलब मैं जो करूंगा, उससे कोई दूसरा हंसता है या रोता है। मुझे ऐसा लगा कि मेरे हाथ में कोई जादू की छड़ी है। मुझे हैपी पॉटर जैसा महसूस हुआ और मैं वो जादूगर बनना चाहता था। बस एक्टिंग का सिलसिला चल पड़ा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।